जीवन दर्शन

जो चीज विकार को मिटा सके। राग-द्वेष को कम कर सके। जिस चीज के उपयोग से मन सूली पर चढ़ते समय भी सत्य पर डटा रहे वही धर्म की शिक्षा है - महात्मा गांधी

दैनिक
ग्लोबल हेराल्ड

LOCAL TO GLOBAL

महानगर संस्करण

www.globalherald.news

शनिवार 29 मार्च, 2025 ■ वर्ष 14 ■ अंक 46 ■ इंदौर-भोपाल से प्रकाशित ■ पेज 8 ■ मूल्य रु 2.00

श्रेयस-ईशान को मिल सकता है बीसीसीआई का सेंट्रल ...

पृष्ठ 8 पर

म्यांमार में 7.7 तीव्रता का भूकंप, 150 की मौत:732 घायल बैंकॉक में 30 मंजिला इमारत धराशायी, 110 लोग दबे

नेपीदा ■

म्यांमार में शुक्रवार सुबह 11:50 बजे 7.7 तीव्रता का भूकंप आया। इसके झटके भारत, थाईलैंड, बांग्लादेश और चीन समेत 5 पांच देशों में महसूस किए गए। म्यांमार और थाईलैंड में 150 से ज्यादा लोगों की जान गई है। अकेले म्यांमार में 150 लोगों की मौत हुई है, जबकि यहां 732 लोग घायल हैं। वहीं, थाईलैंड की राजधानी बैंकॉक में अंडर कंस्ट्रक्शन 30 मंजिला इमारत गिर गई। इस साइट पर 400 लोग काम कर रहे थे। इनमें से 110 लोग मलबे में दबे हुए हैं। लापता हैं, जबकि 3 लोगों की मौत हुई है।

इन 5 देशों के अलग-अलग इलाकों में सैकड़ों लोग घबराकर घरों और दफ्तरों से बाहर निकल आए। भारी तबाही के चलते थाईलैंड की प्रधानमंत्री पाइतोंग्तार्न शिनवात्रा ने इमरजेंसी घोषित कर दी है। अमेरिकी जियोलॉजिकल सर्वे के मुताबिक, इस भूकंप से होने वाली मौतों की आशंका को रेड कैटेगरी में रखा गया है। इस कैटेगरी में 10 हजार से 1 लाख मौतें तक हो सकती हैं, जिसकी संभावना 34% यानी सबसे ज्यादा है।

पहले भूकंप के 12 मिनट बाद 6.4 तीव्रता का आफ्टरशॉक आया

म्यांमार, थाईलैंड, बांग्लादेश, भारत और दक्षिण-पश्चिम चीन समेत 5 देशों में असर देखा गया। यहां के कई इलाकों में तेज झटके महसूस किए गए। पीटीआई न्यूज एजेंसी के मुताबिक, भारत में कोलकाता, इंफाल, मेघालय और ईस्ट कार्गो हिल में इसके झटके महसूस किए गए। बांग्लादेश में ढाका, चटगांव समेत कई हिस्सों में 7.3 तीव्रता के झटके आए। म्यांमार में 12 मिनट बाद फिर 6.4 तीव्रता का आफ्टरशॉक आया।

म्यांमार के मांडले शहर की इमारतें तबाह

म्यांमार में एतिहासिक शाही महल मांडले पैलेस के कुछ हिस्से क्षतिग्रस्त हो गए हैं। वहीं, सागाइंग क्षेत्र के सागाइंग टाउनशिप में एक पुल भूकंप में पूरी तरह नष्ट हो गया। राजधानी नेपीता के अलावा क्यौकसे, प्यिन ऊ ल्विन और श्वेबो में भूकंप के तेज झटके महसूस किए गए। इन शहरों की आबादी 50 हजार से ज्यादा है।

कैश मामला: जस्टिस यशवंत वर्मा का इलाहाबाद हाईकोर्ट ट्रांसफर

नई दिल्ली ■

कैश मामले में घिरे जस्टिस यशवंत वर्मा को दिल्ली हाईकोर्ट से इलाहाबाद हाईकोर्ट ट्रांसफर कर दिया गया। सुप्रीम कोर्ट की सिफारिश और राष्ट्रपति की मंजूरी के बाद आदेश जारी किया गया है। हालांकि इलाहाबाद हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस को निर्देश दिया गया है कि जस्टिस वर्मा को कोई न्यायिक काम न सौंपा जाए।

इधर, सुप्रीम कोर्ट ने जस्टिस वर्मा पर एफआईआर दर्ज करने की मांग वाली जनहित याचिका खारिज कर दी। जस्टिस अभय एस ओका और जस्टिस उज्जल भुइयां की बेंच ने कहा मामले में सुप्रीम कोर्ट की इंटरनल कमेटी जांच कर

रही है। रिपोर्ट में कुछ गड़बड़ मिला तो एफआईआर होगी या मामला संसद को भेजा जाएगा। जस्टिस वर्मा के सरकारी बंगले में 14 मार्च को आग लग गई थी। आग बुझाने पहुंची फायर सर्विस टीम को उनके स्टोर रूम में बोरियों में भरे 500-500 रुपए के अधजले नोट मिले थे। तब से ही यह पूरा मामला सुर्खियों में बना हुआ है।

34 साल पुराने फैसले को चुनौती दी गई

जस्टिस वर्मा के खिलाफ एफआईआर की मांग को लेकर एडवोकेट मैथ्यूज जे नेदुम्परा और तीन अन्य ने याचिका दायर की थी। याचिका में 34 साल पुराने सुप्रीम कोर्ट के एक फैसले को भी चुनौती दी गई थी। 1991 में के वीरस्वामी केस में सुप्रीम कोर्ट ने फैसला सुनाया था कि मुख्य न्यायाधीश की परमिशन के बिना हाईकोर्ट या सुप्रीम कोर्ट के किसी जज के खिलाफ कोई क्रिमिनल केस शुरू नहीं किया जा सकता। उधर जस्टिस यशवंत वर्मा को दिल्ली हाईकोर्ट के एडमिनिस्ट्रेटिव पैनल से हटा दिया गया है। सुप्रीम कोर्ट की वेबसाइट पर उपलब्ध जानकारी के मुताबिक, 26 मार्च को हाईकोर्ट में प्रशासनिक कामों से जुड़ी कमेटियों का पुर्नगठन किया गया था।

न्यूज ब्रीफ

खान के हाथ में दिखी भगवान राम वाली घड़ी, भड़के मौलाना

बरेली। ऑल इंडिया मुस्लिम जमात के राष्ट्रीय अध्यक्ष मौलाना शहाबुद्दीन रजवी बरेलवी ने बॉलीवुड सितारे सलमान खान द्वारा अपनी कलाई पर 'राम एडिशन' की पहनी गई घड़ी को हराम और नाजायज बताया है। सलमान खान ने अपने एक्स हैंडल पर शेयर की गई तस्वीर में अपने बाएं हाथ की कलाई में भगवा रंग के पट्टे वाली राम एडिशन की घड़ी पहन रखी है। गुरुवार को इस बाबत जारी प्रेसनोट में मौलाना शहाबुद्दीन ने कहा कि इस बारे में मुझसे शरीयत का हुक्म पूछा गया है, मैं उनके द्वारा किए गए कार्य के बारे में शरीयत का हुक्म बताता हूं। उन्होंने राम मंदिर के प्रचार के लिए बनाई गई राम एडिशन घड़ी अपने हाथों में पहन रखी है। इस नाम से अपने हाथ में इस तरह की घड़ी को पहनना नाजायज और हराम है। मौलाना ने कहा कि सलमान खान भारत की मशहूर शख्सियत हैं। लाखों की तादाद में उनके चाहने वाले हैं और साथ ही वो मुसलमान भी है। ऐसी सूरत ए हाल में गैर इस्लामी कार्यों का करना शरीयत के खिलाफ है।

1 मई से एटीएम से कैश निकालना महंगा होगा

नई दिल्ली। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया यानी आरबीआई ने शुक्रवार को एटीएम विड्रॉल फीस बढ़ाने का ऐलान किया। नोटिफिकेशन के अनुसार, 1 मई से ग्राहकों को मंथली फ्री ट्रांजैक्शन लिमिट पार करने पर हर ट्रांजैक्शन के लिए एडिशनल 2 रुपए का भुगतान करना होगा। अभी बैंक फ्री ट्रांजैक्शन लिमिट पार करने पर 21 रुपए चार्ज करते हैं। अब 23 रुपए चार्ज करेंगे। इससे पहले आरबीआई ने एटीएम इंटरचेंज फीस भी बढ़ाने का ऐलान किया था। आरबीआई ने इंटरचेंज फीस भी 2 रुपए बढ़ाई है। यानी अब हर ट्रांजैक्शन पर 19 रुपए इंटरचेंज चार्ज देना होगा, जो पहले 17 रुपए था। वहीं नॉन-फाइनेंशियल ट्रांजैक्शन-जैसे कि बैलेंस इंक्वायरी के लिए फीस को 1 रुपए बढ़ाया गया है। यानी अकाउंट बैलेंस चेक करने के लिए हर ट्रांजैक्शन पर अब 7 रुपए चार्ज लगेगा, जो पहले 6 रुपए था। अलग-अलग बैंकों के एटीएम पर ग्राहकों को हर महीने लिमिटेड नंबर्स में फ्री ट्रांजैक्शन की अनुमति होती है। मेट्रो सिटीज में ग्राहकों को 5 ट्रांजैक्शन की अनुमति दी जाती है, जबकि नॉन-मेट्रो सिटीज में 3 ट्रांजैक्शन की परमिशन है।

सरकार ने बढ़ाया केंद्रीय कर्मचारियों का महंगाई भत्ता

नई दिल्ली। सरकार ने केंद्रीय कर्मचारियों के लिए महंगाई भत्ते (डीए) और पेंशनभोगियों के लिए महंगाई राहत में 2% की बढ़ोतरी को मंजूरी दे दी है। शुक्रवार (28 मार्च) को हुई कैबिनेट मीटिंग में डीए बढ़ोतरी पर फैसला हुआ। इससे पहले जुलाई 2024 में सरकार ने 3% बढ़ोतरी की थी। 8वें वेतन आयोग के लागू होने से पहले इस बढ़ोतरी से महंगाई भत्ता 53% से बढ़कर 55% हो जाएगा। इसका फायदा करीब 48 लाख केंद्रीय कर्मचारियों और 66 लाख पेंशनर्स को होगा। यह बढ़ोतरी 1 जनवरी 2025 से लागू होगी। डीए की घोषणा में देरी हुई इसलिए अप्रैल के वेतन में पिछले तीन महीनों के एरियर के साथ बढ़ा हुआ डीए भी शामिल होगा।

जम्मू-कश्मीर : कठुआ में एनकाउंटर, 3 आतंकी ढेर, 4 जवान शहीद, सर्चिंग जारी

कठुआ ■

जम्मू-कश्मीर में कठुआ जिले के राजबाग में 27 मार्च से चल रहे एनकाउंटर में अबतक तीन आतंकी मारे गए। इसके अलावा सुरक्षाबलों के चार जवान शहीद हुए हैं और तीन अन्य घायल हैं। बीते दिन तारिक अहमद, जसवंत सिंह और बलविंदर सिंह गोलीबारी में घायल हुए थे। इलाज के दौरान इनकी मौत हुई थी। ये जम्मू-कश्मीर पुलिस के स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप के जवान हैं।

वहीं, चौथे जवान का शव शुक्रवार सुबह सर्च ऑपरेशन शुरू होने पर ड्रोन में नजर आया था। देर रात चौथे जवान का शव बरामद कर लिया गया लेकिन इनकी पहचान की जानकारी सामने नहीं आई है। रोशनी कम होने के बाद सर्च ऑपरेशन रोक दिया गया। डीजीपी नलिन प्रभात ने बताया- आतंकवादियों के खात्मे तक ऑपरेशन जारी रहेगा। उम्मीद है कल तक सब कुछ साफ हो जाएगा। उधर डीएसपी धीरज सिंह समेत अन्य जवानों का इलाज जारी है। डिप्टी सीएम सुरिंदर चौधरी मुठभेड़ में घायल पुलिसकर्मियों का हालचाल जानने के लिए जम्मू मेडिकल कॉलेज पहुंचे थे।

23 मार्च से चल रहा है एंटी टेरेरिस्ट ऑपरेशन

में आतंकवादियों के एक ग्रुप को सुरक्षाबलों ने घेर लिया था, लेकिन वे भागने में कामयाब रहे। माना जा रहा है कि ये वही आतंकवादी हैं, जो सान्याल से निकलकर जखोले गांव के पास देखे गए। यह गांव हीरानगर सेक्टर से लगभग 30 किमी दूर है। सुरक्षाबलों ने जानकारी मिलते ही उन्होंने इलाके को घेर लिया, जिसके बाद मुठभेड़ शुरू हो गई। इस दौरान सेना के दो जवान भी घायल हुए हैं, जिन्हें सैन्य अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

चीनी राष्ट्रपति ने बांग्लादेश के अंतरिम प्रधानमंत्री से मुलाकात की, जिनपिंग - हम अच्छे पड़ोसी

बीजिंग ■

बांग्लादेश के अंतरिम प्रधानमंत्री यूनुस खान ने शुक्रवार को चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग से मुलाकात की। इस मौके पर जिनपिंग ने बांग्लादेश की अंतरिम सरकार को अपना समर्थन देने का भरोसा दिलाया। जिनपिंग ने कहा आपसी भरोसे के आधार पर चीन बांग्लादेश का अच्छा पड़ोसी, अच्छा दोस्त और अच्छा पार्टनर बना रहेगा। ये जानकारी चीनी स्टेट ब्रॉडकास्टर सीसीटीवी ने दी है।

वहीं, यूनुस के प्रेस सचिव शफीकुल आलम ने बताया कि दोनों ने मिलकर नौ समझौते पर साइन किए। इनमें आर्थिक और

तकनीकी सहयोग पर एक समझौता (एग्रीमेंट) और आठ समझौता ज्ञापन पर थे। ये समझौते प्राचीन ग्रंथों के अनुवाद और प्रकाशन, सांस्कृतिक विरासत, समाचार आदान-प्रदान, मीडिया, खेल और स्वास्थ्य क्षेत्रों में सहयोग से जुड़े हैं। बैठक के बाद यूनुस के प्रेस सचिव शफीकुल आलम ने कहा कि यह गर्मजोशी, आपसी समझ और सकारात्मकता से भरी रही।

नेपाल में राजशाही समर्थकों की हिंसा के बाद सेना तैनात, एक की मौत

काठमांडू ■

नेपाल में राजशाही की मांग को लेकर शुक्रवार को हिंसक प्रदर्शन हुआ। प्रदर्शनकारियों ने काठमांडू के तिनकुने में एक इमारत में तोड़फोड़ की और उसे आग के हवाले कर दिया। प्रदर्शनकारियों ने पुलिस पर पत्थर भी फेंके, जिसके जवाब में सुरक्षाकर्मियों को आंसू गैस के गोले दागने पड़े। इस घटना में एक युवक की मौत भी हो गई।

प्रशासन ने काठमांडू में कर्फ्यू लागू कर दिया है और सेना की तैनाती कर दी है। इस आंदोलन में 40 से ज्यादा नेपाली संगठन शामिल हुए। प्रदर्शनकारी राजा आओ देश बचाओ, भ्रष्ट सरकार मुदार्बाद और हमें राजशाही वापस चाहिए, जैसे नारे लगा रहे थे। उन्होंने सरकार को एक हफ्ते का अल्टीमेटम दिया है। उनका कहना है कि अगर उनकी मांगों पर एक्शन नहीं लिया गया तो और ज्यादा उग्र विरोध प्रदर्शन होगा। नेपाल के पूर्व राजा ज्ञानेंद्र ने 19

फरवरी को प्रजातंत्र दिवस के अवसर पर लोगों से समर्थन मांगा था। इसके बाद से ही देश में राजा लाओ, देश बचाओ आंदोलन को लेकर तैयारियां चल रही थीं। नेपाल के पूर्व राजा ज्ञानेंद्र शाह पर 1 जून, 2001 को हुए नारायणहिति हत्याकांड में अपने परिवार के सदस्यों की हत्या का आरोप लगा है। इस घटना में राजा वीरेंद्र, रानी ऐश्वर्या सहित शाही परिवार के 9 लोगों की मौत हुई थी। आधिकारिक तौर पर युवराज दीपेंद्र को इस हत्याकांड के लिए जिम्मेदार ठहराया गया।

भारत से जलियांवाला बाग हत्याकांड पर माफी मांगे ब्रिटिश सरकार- ब्लैकमैन

लंदन ■

ब्रिटेन में विपक्षी कंजर्वेटिव पार्टी के सांसद बॉब ब्लैकमैन ने ब्रिटेन सरकार से 1919 के जलियांवाला बाग हत्याकांड के लिए भारत के लोगों से औपचारिक तौर पर माफी मांगने को कहा है। उन्होंने गुरुवार को संसद में कहा कि ब्रिटिश सरकार को 13 अप्रैल से पहले माफी मांगनी चाहिए। अगले महीने जलियांवाला बाग हत्याकांड की 106वीं बरसी मनाई जाएगी। ब्रिटिश सांसद ब्लैकमैन ने अपने भाषण का एक वीडियो सोशल मीडिया पर भी शेयर किया है।

बैसाखी के दिन कई सारे लोग शांतिपूर्वक तरीके से अपने परिवार के साथ जलियांवाला बाग में शामिल हुए

थे। जनरल डायर ने ब्रिटिश सेना की तरफ से अपने सैनिकों को भेजा और मासूम लोगों पर तब तक गोलियां चलाने का आदेश दिया था, जब तक उनकी गोलियां खत्म न हो जाएं। सांसद ब्लैकमैन ने कहा- जालियावांला हत्याकांड ब्रिटिश साम्राज्य पर एक धब्बा है। इसमें 1500 लोग मारे गए थे और 1200 घायल हुए थे। आखिरकार, ब्रिटिश साम्राज्य पर इस दाग के लिए जनरल डायर को बदनाम किया गया। ब्रिटिश सांसद ने आगे कहा- तो क्या हम सरकार से बस एक बयान हासिल कर सकते हैं जिसमें यह माना गया हो कि क्या गलत हुआ था और क्या औपचारिक तौर पर भारत के लोगों से माफी मांगी गई थी?

किसी ब्रिटिश प्रधानमंत्री ने अब तक माफी नहीं मांगी

आज तक किसी भी ब्रिटिश प्रधानमंत्री ने जलियांवाला बाग हत्याकांड के लिए माफी नहीं मांगी है। हालांकि, कई ब्रिटिश नेताओं ने समय-समय पर इसके लिए खेद जाहिर जरूर किया है लेकिन आधिकारिक तौर पर माफी नहीं मांगी गई है।

राज्यसभा में सपा सांसद के राणा सांगा को लेकर बयान पर हंगामा

नई दिल्ली। संसद में बजट सत्र के 13 वें दिन दोनों सदनों में सपा सांसद रामजीलाल सुमन के राणा सांगा को लेकर दिए गए बयान पर हंगामा जारी रहा। स्पीकर जगदीप धनखड़ ने राणा सांगा को राष्ट्रीय नायक बताया। उन्होंने कहा कि उनके खिलाफ टिप्पणी बेहद अपमानजनक है। भाजपा ने बयान को लेकर माफी की मांग की। हालांकि, रामजीलाल सुमन बयान पर माफी मांगने से इनकार कर चुके हैं। हंगामे के चलते दोपहर 12 बजे तक राज्यसभा की कार्यवाही स्थगित कर दी गई। वहीं, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा कि उनकी पार्टी उन सभी देशभक्तों का सम्मान करती है।

व्यंग्य: एमपी यानी 'मोर पे' से सांसद खुशहाल : आम लोग तंगहाल..?

ग्लोबल हेराल्ड न्यूज एनालिसिस GHNA

दिलीप शर्मा (वरिष्ठ पत्रकार)

एमपी यानी मेंबर ऑफ पार्लियामेंट यानी सांसद तो होता ही है, लेकिन एक आलेख में एमपी की व्याख्या 'मोर पे' के रुप में की गई है और यह व्याख्या वैसे तो सांसदों के वेतन में हर माह 24 हजार रुपए की वृद्धि से सम्बंधित है, लेकिन सबसे बड़ा सवाल है कि देश के पढ़े - लिखे करोड़ों युवाओं को 24 हजार मासिक वेतन तक नहीं मिल रहा है, जबकि एक परिवार से अनेक सांसद बने लोग कितना पैसा ले रहे हैं..?

एक एक परिवार से सांसद बने लोग खुशहाल : सपने देखता आम आदमी तंगहाल..?

हाल ही में देश के सांसदों को जो वेतन वृद्धि का लाभ दिया गया है उस अनुसार हर सांसद को अपने और अपने परिवार के लिए फ्री मेडिकल सर्विस, दिल्ली में किराया मुक्त आवास या 2 लाख रुपये प्रति माह का आवास भत्ता मिलता ही रहेगा, इसके अलावा सांसदों को 50,000 यूनिट मुफ्त बिजली, 4,000 किलोलीटर मुफ्त पानी और फोन और इंटरनेट यूज के लिए रिम्बर्समेंट भी मिलता है.अब एक सांसद को हर महीने 2.54 लाख रुपये मिलेंगे, यानी सालाना 30.48 लाख रुपये की इनकम होगी. यह देखते हुए कि 2022-23 के लिए भारत की प्रति व्यक्ति आय 1.72 लाख रुपये (मौजूदा कीमतों पर) थी, जो 2023-24 में भी 2.12 लाख सालाना पर अनुमानित रही यानी एक पढ़े लिखे युवा को 24 हजार मासिक वेतन तक नहीं मिल पाता है. प्राइवेट सेक्टर में मात्र 10-15 हजार महीने में युवाओं से 12 घंटे तक काम कराया जाता है.मतलब साफ है कि सांसद जो जन प्रतिनिधि कहलाता है वह जनता के वोट लेकर खुशहाल है और आम आदमी आर्थिक तंगहाल.एडीआर के मुताबिक 18वीं लोकसभा में 543 निर्वाचित प्रतिनिधियों में से 504 करोड़पति हैं, जो सांसदों का 93 प्रतिशत है. यह आंकड़ा इसे अब तक की सबसे अमीर लोकसभा बनाता है. पिछले 15 साल में निर्वाचित सांसदों की औसत संपत्ति सात गुना से ज्यादा बढ़ी है.आंकड़े साक्षी हैं कि सांसद ही अमीर हो रहे हैं और

एक एक परिवार से अनेक सांसद सरकारी खजाने से भरपूर लाभ ले रहे हैं. गांधी परिवार में सोनिया गांधी राज्य सभा से तो राहुल व प्रियंका गांधी लोकसभा से सांसद हैं.इससे पहले भी नेहरू झ गांधी परिवार के कई सदस्य संसद पहुंचे हैं.इनमें देश के पहले प्रधानमंत्री जवाहर लाल नेहरू, विजय लक्ष्मी पंडित, उमा नहरू, इंदिरा गांधी, फिरोज गांधी, श्याम कुमारी नेहरू, अरुण नेहरू, राजीव गांधी और संजय गांधी शामिल हैं. इनके अलावा संजय गांध की पत्नी मेनका गांधी और उनके बेटे वरुण गांधी भी संसद के सदस्य रह चुके हैं.कांग्रेस के पूर्व वित्त मंत्री पी चिदंबरम उनके पुत्र कार्ति चिदंबरम भी सांसद. डीएमके की नेता कनिमोझी व उनके रिश्तेदार दयानिधि मारन के अलावा यूपी से बात करें तो सर्वाधिक मुलायम सिंह यादव परिवार से उनके पुत्र अखिलेश यादव, पत्नी डिम्पल यादव, मुलायम सिंह यादव के छोटे भाई धर्मेंद्र यादव, आदित्य यादव व चचेरे भाई रामगोपाल यादव भी सांसद हैं. बिहार में पप्पू यादव उनकी पत्नी रंजीत रंजन. मध्यप्रदेश के सिंधिया परिवार से राजस्थान की पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे के बेटे दुष्यंत सिंह एवं भतीजे ज्योतिरादित्य भी सांसद हैं. महाराष्ट्र में शरद पवार उनकी बेटी, भतीजे अजीत पवार उनकी पत्नी सुनेत्रा भी सांसद हैं.खैर अब लोग यही मान लें कि सब भाग्य का खेल है, क्योंकि इस वर्तमान संसद में भी 119 ऐसे हैं जिनकी शिक्षा हायर सेकेंडरी भी नहीं हैं, लेकिन वे सांसद बन गए हैं. अनेक अपराधी रिकॉर्ड वाले भी मौजूद हैं और युवा सपने में है कि भारत विकसित होगा तब तो अच्छे दिन आएंगे..?

धीमी पिच पर तेज बैटिंग से जीती आरसीबी: सीएसके को 50 रन से हराया

चेन्नई ■

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने धीमी पिच पर बेहतरीन बैटिंग के दम पर चेन्नई सुपर किंग्स को उन्हीं के घर में 50 रन से हरा दिया। चेपॉक में शुक्रवार को टॉस हारकर पहले बैटिंग करते हुए आरसीबी ने 196 रन बनाए। जवाब में सीएसके 146 रन ही बना सकी। आरसीबी से कप्तान रजत पाटीदार ने फिफ्टी लगाई, उन्होंने 51 रन बनाए। टीम से 4 और बैटर्स ने 20 प्लस रन बनाए और स्कोर 190 के पार पहुंचाया। जोश हेजलवुड ने 3 विकेट लिए। चेन्नई से रचिन रवींद्र ने 41

और एमएस धोनी ने 30 रन बनाए। नूर अहमद को 3 विकेट मिले। टॉस हारकर पहले बैटिंग करने उतरी आरसीबी ने तेज शुरूआत की, लेकिन 76 रन पर 2 विकेट गंवाए दिए। यहां कप्तान रजत पाटीदार बैटिंग करने उतरे, उन्होंने भी तेज बैटिंग की।

प्रदेश के विश्वविद्यालय निरंतर बन रहे हैं सशक्त -डॉ. यादव

इंदौर ■ ग्लोबल हेराल्ड

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रदेश के विश्वविद्यालय निरंतर सशक्त बन रहे हैं। आने वाले समय में सभी विश्वविद्यालय आर्थिक रूप से समर्थ और सक्षम होंगे। परंपरागत संकायों के साथ-साथ वर्तमान आवश्यकताओं के अनुरूप कोर्सेज संचालित करने के लिए विश्वविद्यालयों को प्रेरित किया जा रहा है। विश्वविद्यालय अपने-अपने क्षेत्र में मेडिकल कॉलेज आरंभ करें, राज्य सरकार अस्पतालों को उनके साथ संबद्ध करने की व्यवस्था करेगी। इन अस्पतालों के वेतन-भत्तों का भार राज्य सरकार वहन करेगी, विश्वविद्यालय पठन-पाठन-परीक्षा आदि की व्यवस्था करेंगे और परीक्षा की फीस का उपयोग मेडिकल कॉलेज और विश्वविद्यालय के संचालक-प्रबंधन और विस्तार में किया जा सकेगा। डेयरी टेक्नोलॉजी, कृषि जैसे व्यावसायिक दक्षता के कोर्सेज सहित सभी संकाय विश्वविद्यालय अपने क्षेत्र में संचालित करें। मुख्यमंत्री डॉ. यादव मध्यप्रदेश विश्वविद्यालयीन संयुक्त संघर्ष समिति द्वारा बरकतउल्लाह विश्वविद्यालय भोपाल के ज्ञान विज्ञान भवन में आयोजित अभिनंदन समारोह को संबोधित कर रहे थे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि राज्य सरकार शासकीय कर्मचारियों एवं पेंशनधारकों के हितों का ध्यान रखते हुए आगे बढ़ रही है। प्रदेश के शासकीय विश्वद्यालयों के कर्मचारी एवं पेंशनर्स भी वेतन एवं भत्तों में वृद्धि से लाभान्वित होंगे। उन्होंने कहा कि प्रदेश में अब निजी और शासकीय केवल दो श्रेणियों के विश्वविद्यालय हैं। सरकार उच्च शिक्षा को नए आयाम देने के लिए नवाचारों के साथ कार्य कर रही है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में प्रदेश शिक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ करते हुए नए-नए पाठ्यक्रमों की शुरूआत कर रहा है। प्रधानमंत्री श्री मोदी के मार्गदर्शन और कुशल नेतृत्व में प्रदेश को देश का सर्वश्रेष्ठ राज्य बनाने के लिए प्रदेशवासी प्रतिबद्ध हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने जन्मदिवस की शुभेच्छाओं एवं अभिनंदन के लिए विश्वविद्यालय के समस्त कर्मचारियों एवं पेंशनधारकों का आभार माना और सभागार में उपस्थित सभी लोगों को वर्ष प्रतिपदा गुड़ी पड़वा की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने शासकीय विश्वविद्यालयों की दो पेंशनर्स समितियों को एक-एक लाख रुपए की वित्तीय सहायता प्रदान करने की घोषणा की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि कर्मचारियों के कल्याण के लिए राज्य सरकार संवेदनशीलता के साथ सक्रिय है। राज्य सरकार द्वारा कर्मचारियों के हित में कई निर्णय लिए गए हैं।

विश्वविद्यालय, मेडिकल कॉलेज आरंभ करें, अस्पताल की व्यवस्था करेगी सरकार

मुख्यमंत्री डॉ. यादव का प्रदेश के सभी शासकीय विश्वविद्यालयों के पेंशनर्स, अधिकारी, शिक्षक, कर्मचारी और इनसे संबंधित सभी संघों ने सामूहिक रूप से सम्मान और अभिवादन किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव को मध्यप्रदेश विश्वविद्यालयीन संयुक्त संघर्ष समिति द्वारा वृहद पुष्पहार, अंगवस्त्रम, स्मृति चिन्ह व प्रशस्ति पत्र भेंट किए गए। अभिनंदन समारोह में मध्यप्रदेश हिंदी ग्रंथ अकादमी के संचालक श्री अशोक कड़ैल, बरकतउल्लाह विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रो. एस.के जैन, कुल सचिव प्रो. मंसूरी, प्रो. कालिका यादव, प्रो. गोपाल शर्मा आदि उपस्थित थे।

संजय नगर क्षेत्र में 12वीं की छात्रा ने खाया जहर, अस्पताल में मौत

इंदौर ■ ग्लोबल हेराल्ड

इंदौर के संजय नगर क्षेत्र में एक 18 वर्षीय युवती ने गुरुवार को जहर खाकर आत्महत्या कर ली। राजेंद्र नगर पुलिस ने बताया कि खुशी (18) पुत्री संजय वर्मा ने अपने घर में जहरीला पदार्थ खा लिया। तबीयत बिगड़ने पर परिवार के लोग उसे पहले एक निजी अस्पताल ले गए, लेकिन उसकी हालत गंभीर होने के कारण उसे एमवाय अस्पताल रेफर किया गया। देर रात इलाज के दौरान खुशी की मौत हो गई

खुशी की बड़ी बहन रंजना ने बताया कि वह 12वीं कक्षा में पढ़ाई कर रही थी। परिवार की आर्थिक स्थिति ज्यादा अच्छी नहीं थी, क्योंकि उनके पिता संजय वर्मा मजदूरी का काम करते हैं। खुशी के अलावा परिवार में उसकी छोटी बहन रंजना और एक भाई भी है। खुशी काफी समय से तनाव में थी, लेकिन परिवार को यह अंदाजा नहीं था कि वह इतना बड़ा कदम उठा लेगी।

पुलिस ने शुरू की जांच

राजेंद्र नगर पुलिस ने मर्ग कायम कर मामले की जांच शुरू कर दी है। प्रारंभिक जांच में पता चला कि खुशी काफी दिनों से किसी बात को लेकर परेशान थी। पुलिस ने जांच के लिए उसका मोबाइल फोन बरामद कर लिया है, जिससे उसके तनाव का कारण पता लगाने की कोशिश की जाएगी। परिवार और आसपास के लोगों के बयान दर्ज किए जा रहे हैं, ताकि आत्महत्या के पीछे की वजह स्पष्ट हो सके।

पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंपा

पुलिस ने शुक्रवार को पोस्टमार्टम के बाद खुशी का शव उसके परिवार को सौंप दिया। परिवार इस घटना से गहरे सदमे में है और उनके घर में मातम पसरा हुआ है। पुलिस का कहना है कि मामले की गहराई से जांच की जा रही है और परिवार के बयान दर्ज होने के बाद ही यह स्पष्ट हो पाएगा कि खुशी ने यह आत्मघाती कदम क्यों उठाया।

74,697 किसानों से 5 लाख 80 हजार मीट्रिक टन से अधिक हुई गेहूँ खरीदी

757 करोड़ 36 लाख रुपए का हुआ भुगतान

इंदौर ■ ग्लोबल हेराल्ड

खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री श्री गोविन्द सिंह राजपूत ने बताया है कि न्यूनतम समर्थन मूल्य पर प्रदेश में अभी तक 74697 किसानों से 5 लाख 80 हजार 711 मीट्रिक टन गेहूँ का उपार्जन किया जा चुका है। किसानों को उपार्जित गेहूँ का भुगतान भी लगातार किया जा रहा है। अभी तक 757 करोड़ 36 लाख रुपए का भुगतान किसानों को किया जा चुका है। गेहूँ का न्यूनतम समर्थन मूल्य 2425 रुपए है और राज्य सरकार द्वारा 175 रुपए प्रति क्विंटल बोनस दिया जा रहा है। इस तरह से गेहूँ की खरीदी 2600 रुपए प्रति क्विंटल की दर से की जा रही है।

जिला उज्जैन में एक लाख 19 हजार 535, सीहोर में 83735, देवास में 60456, शाजापुर में 60282, इंदौर में 42765, भोपाल में 38640, राजगढ़ में 36457, मंदसौर 25292, आगर मालवा में 23604, धार में 20564, विदिशा में 19593, हरदा में 13451, खण्डवा में 11082, रतलाम में 10857, नीमच में 3351, नर्मदापुरम में 3307, झाबुआ में 2965, रायसेन में 2708, बैतूल में 1000, दमोह में 460, खरगौन में 329, गुना में 252, सागर में 22 और अलीराजपुर में 4 मीट्रिक टन गेहूँ का उपार्जन किया जा चुका है। इस वर्ष अभी तक न्यूनतम समर्थन मूल्य पर गेहूँ की बिक्री के लिये 13 लाख 98 हजार किसानों ने पंजीयन करवाया है। पंजीयन की अंतिम तारीख 31 मार्च है।

12 साल से लटकी अंबे नगर कॉलोनी की जांच, फिर से होगा ड्रोन सर्वे

इंदौर ■ ग्लोबल हेराल्ड

शासकीय भूमि पर अवैध रूप से बसाई गई अंबे नगर कॉलोनी का मामला एक बार फिर चर्चा में आ गया है। 12 साल बीत जाने के बावजूद इस भूमि पर अवैध कब्जे जस के तस बने हुए हैं। ग्राम सुखलिया स्थित आईटीआई की सर्वे नंबर 596 की भूमि पर यह कॉलोनी विकसित की गई थी। तत्कालीन कलेक्टर ने इस पर त्वरित कार्रवाई करते हुए कॉलोनाइजर पर राष्ट्रीय सुरक्षा कानून (रासुका) भी लगा दिया था। जब जिला प्रशासन ने इस भूमि को अतिक्रमण मुक्त करने का प्रयास किया, तो मामला उच्च न्यायालय पहुंच गया। वर्ष 2012 में दायर याचिका के बाद जांच करवाई गई और वर्ष 2014 में शासन को प्रतिवेदन भेजा गया। हालांकि, 12 वर्षों के बाद भी कोई ठोस कार्रवाई नहीं हो सकी है। अब संभागायुक्त ने फिर से इस मामले की जांच के निर्देश दिए हैं और वर्तमान स्थिति का आकलन किया जा रहा है।

ड्रोन सर्वे से होगी विस्तृत जांच

संभागायुक्त कार्यालय से जारी निर्देश के अनुसार, एक समिति का गठन कर विस्तृत सर्वेक्षण किया जाएगा और ड्रोन सर्वे भी किया जाएगा। इस सर्वेक्षण में मुख्य रूप से यह देखा जाएगा कि इस भूमि पर कितने परिवार निवास कर रहे हैं और उन्होंने कितने क्षेत्र में अतिक्रमण किया है। मकान कच्चे हैं या पक्के, यह भी दर्ज किया जाएगा। इसके अलावा, प्रत्येक रहवासी की व्यक्तिगत जानकारी, जैसे उसका नाम, व्यवसाय, आय, परिवार के सदस्यों की संख्या, अन्य स्थानों पर भूमि या आवास की उपलब्धता आदि का भी रिकॉर्ड तैयार किया जाएगा। उल्लेखनीय है कि जब आईटीआई की इस भूमि पर अतिक्रमण हुआ, तो प्राचार्य ने जिला प्रशासन से पत्राचार किया था। तात्कालिक कलेक्टर राघवेन्द्र सिंह ने नजूल अधिकारी शिलेंद्र सिंह के माध्यम से जांच शुरू करवाई और तहसीलदार पूर्णिमा सिंगी व निधि वर्मा के नेतृत्व में अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई की गई थी।

भूमाफिया की गतिविधियां और प्रशासन की लाचारी

यह कॉलोनी भूमाफिया चंद्र प्रकाश कश्यप द्वारा विकसित की गई थी। प्रशासन ने उस पर रासुका की कार्रवाई भी की थी, लेकिन इसके बावजूद वह अब अधिकारियों के साथ उठता-बैठता नजर आता है। यह आश्चर्यजनक है कि जिस व्यक्ति पर गंभीर आरोप लगे थे, वह आज प्रशासनिक अधिकारियों के साथ बातचीत करता दिखाई देता है। बताया जाता है कि इस अवैध कॉलोनी में कुल 139 भूखंड और आवास बने थे। जिला प्रशासन ने जांच के बाद इनमें से 91 लोगों को हटाने के आदेश भी जारी किए थे, लेकिन इतने सालों बाद भी शासन ने इस पर कोई ठोस कदम नहीं उठाया। उपायुक्त राजस्व सपना लोवंशी का कहना है कि मौके की वर्तमान स्थिति काफी बदल चुकी होगी, इसलिए नए सिरे से सर्वेक्षण कर रिपोर्ट तैयार करने के लिए कलेक्टर को पत्र भेजा गया है।

महू से दिल्ली के लिए दो दिन स्पेशल ट्रेन, शुक्रवार को दिल्ली से रवाना हुई

इंदौर ■ ग्लोबल हेराल्ड

महू-इंदौर से नई दिल्ली के लिए दो दिन के लिए स्पेशल ट्रेन की सौगात मिली है। यह ट्रेन 28 को रवाना हो गई और 30 मार्च को चलेगी। यात्रियों का दबाव बढ़ने के कारण सिर्फ दो दिन इस ट्रेन को चलाया गया है।

दिल्ली से हुई रवाना

गाड़ी संख्या 04092 नई दिल्ली इंदौर स्पेशल सुपरफास्ट एक्सप्रेस, नई दिल्ली से शुक्रवार को रवाना हो चुकी है, जो 29 मार्च को 30 मार्च से शुरू होगी। यह ट्रेन 15.30 बजे चलेगी। रतलाम मंडल के नागदा स्टेशन 2.10 बजे और रतलाम स्टेशन सुबह 3.40 बजे आएगी। यह ट्रेन सुबह 6.10 बजे इंदौर जंक्शन पहुँचेगी। इसी प्रकार वापसी में गाड़ी संख्या 04091 इंदौर-नई दिल्ली स्पेशल सुपरफास्ट एक्सप्रेस 29 व 31 मार्च को इंदौर से सुबह 11.40 बजे चलेगी। यह ट्रेन नागदा स्टेशन पर 15.15 बजे आएगी। इस ट्रेन का दोनों दिशाओं में मथुरा, कोटा, नागदा एवं रतलाम स्टेशनों पर ठहराव दिया गया है। यह ट्रेन सेकंड एसी कम थर्ड एसी, स्लीपर एसं सामान्य श्रेणी कोच के साथ चलेगी। गाड़ी संख्या 04092/04091 इंदौर नई दिल्ली स्पेशल ट्रेन के लिए टिकटों की बुकिंग आरंभ हो चुकी है।

आईटी इंजीनियर महिला के साथ डिजिटल अरेस्ट के नाम पर 8 लाख की ठगी

क्राइम ब्रांच ने दर्ज किया केस

इंदौर ■ ग्लोबल हेराल्ड

क्राइम ब्रांच थाने में अन्नपूर्णा निवासी कनुप्रिया गुप्ता की शिकायत पर अज्ञात ठगों के खिलाफ धोखाधड़ी का मामला दर्ज किया गया है। उन्होंने बताया कि 4 नवंबर 2024 को शाम 4 बजे उन्हें एक फोन कॉल आया, जिसमें कॉल करने वाले ने खुद को फेडेक्स कोरियर सर्विस का कर्मचारी बताया। उसने कहा कि सिंगापुर से मुंबई भेजे गए उनके नाम के एक पार्सल में भारी मात्रा में ड्रग्स मिली है, जिसे जब्त कर लिया गया है। इसके बाद ठगों ने कॉल को स्काइप पर मुंबई की एक आईडी से कनेक्ट किया और मानसिक रूप से प्रताड़ित करना शुरू कर दिया।

ब्लैकमेल कर बैंकिंग जानकारी हासिल की

कॉल पर मौजूद व्यक्ति ने अपना कैमरा बंद रखा और सिर्फ आवाज के जरिए महिला को डराने लगा। आरोपी ने धमकी दी कि अगर उन्होंने सहयोग नहीं किया, तो उनकी तस्वीरों को एडिट कर सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया जाएगा और मीडिया में खबरें चला दी जाएंगी। इस डर से महिला ने अपनी बैंकिंग जानकारी साझा कर दी। इसके बाद ठगों ने उनके खाते से पैसे निकालने की साजिश को अंजाम दिया।

16 लाख का लोन लेकर 8 लाख रुपए निकाले

ठगों ने महिला के बैंक खाते से 16 लाख रुपए का लोन अप्रूव करवा लिया, लेकिन खाते की लिमिट सेट होने के कारण दो बार में केवल 4-4 लाख रुपए ही ट्रांसफर किए जा सके। अगले दिन महिला ने बैंक से संपर्क कर खाते को फ्रीज करवा दिया और साइबर पोर्टल पर शिकायत दर्ज कराई। फिलहाल, क्राइम ब्रांच ने आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है और उनके नेटवर्क का पता लगाने में जुटी है।

राज्यपाल मंगूभाई पटेल का तीन दिवसीय प्रवास आज से

इंदौर। राज्यपाल श्री मंगूभाई पटेल तीन दिवसीय दौरे पर 29 मार्च को इंदौर आयेंगे। इस दौरान वे यहां आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों में शामिल होंगे। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार श्री मंगूभाई पटेल 29 मार्च को सुबह 9 बजे इंदौर आयेंगे। यहां वे सुबह 10:30 बजे से सुबह 11:25 बजे तक रेवजी रेंज में आयोजित 18वीं ऑल इंडिया पुलिस स्पोर्टस शूटिंग कॉम्पिटिशन के समापन समारोह में शामिल होंगे। इसके बाद वे दोपहर 12 बजे से दोपहर 1:30 बजे तक एमजीएम मेडिकल कॉलेज में सिकल सेल के संबंध में आयोजित कार्यक्रम में शामिल होंगे। रात्रि विश्राम इंदौर में करेंगे। अगले दिन 30 मार्च को सुबह 9:40 बजे उज्जैन के लिये रवाना होंगे। उज्जैन में वे विक्रम विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह में शामिल होने के पश्चात दोपहर दो बजे पुनः इंदौर आयेंगे।

इंदौर में इधर-उधर से सवारी बैठाने और बस खड़ी करने पर होगी कड़ी कार्रवाई- बसों को किया जायेगा जप्त

इंदौर ■ ग्लोबल हेराल्ड

कलेक्टर श्री आशीष सिंह ने बस ऑपरेटरों से कहा कि वे अपनी बसों का संचालन निर्धारित स्थान से ही करें। इधर-उधर से कहीं पर भी बस रोक कर सवारी नहीं बैठाये। सड़कों पर अपनी बसों को पार्क नहीं करें। बसे निर्धारित स्थान पर ही पार्क करें। इधर-उधर से सवारी बैठाने और बसें पार्क करने पर कड़ी कार्रवाई की जायेगी। बसों को जप्त भी किया जायेगा। बस संचालकों को बस पार्क करने के वैकल्पिक स्थान चयन करने के लिए तीन दिन की मोहलत दी गई है। इसके बाद परिवहन विभाग और यातायात पुलिस द्वारा संयुक्त मुहिम चलाकर बसों को जप्त करने की कार्रवाई की जायेगी।

कलेक्टर श्री आशीष सिंह ने इस संबंध में व्यवस्था बनाने के लिए आज अखिल भारतीय पर्यटक परमिट एवं स्टेज कैरिज परमिट पर संचालित बसों के ऑपरेटरों की बैठक ली। बैठक में स्मार्ट सिटी के सीईओ श्री दिव्यांक सिंह, क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी श्री प्रदीप शर्मा सहित अन्य संबंधित विभागों के अधिकारी मौजूद थे। बैठक में बताया गया कि उक्त बस ऑपरेटरों द्वारा अपनी बसों को गंगवाल बस स्टैण्ड, छोटी ग्वालटोली, नवलखा, पिपल्याहाना, रिंग रोड़ तथा तीन ईमली क्षेत्र में कहीं पर भी बसें खड़ी कर यातायात बाधित किया जाता है। इससे यातायात जाम होता है और दुर्घटना की आशंका रहती है। बस ऑपरेटरों से कहा गया कि वे अपनी बसों को तीन दिन में निर्धारित स्थान से संचालित करना शुरू करें। कहीं से भी सवारी नहीं बैठाये। बसों को पार्क करने के लिए वैकल्पिक स्थान मुहैया कराया जायेगा। इसके लिए कलेक्टर श्री आशीष सिंह ने संबंधित क्षेत्र के एसडीएम को स्थान चिन्हित कर बसों को पार्क करने की आवश्यक व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिये। उन्होंने क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी से कहा कि वे ऑटो रिक्शा संचालकों की भी बैठक लेकर उक्त संबंध में आवश्यक दिशा निर्देश देवें।

रखें ध्यान उनका जिनकी वजह से आप हैं...

फिर भी जिंदगी हसीन है...
dreamsachieverspune@gmail.com

निर्मल भटनागर (एजुकेशनल कंसलटेंट एवं मोटिवेशनल स्पीकर)
ग्लोबल हेराल्ड

दोस्तों, आजकल समाज में एक बड़ा परिवर्तन देखने को मिल रहा है, जहाँ 'मैं', 'हम' से ज़्यादा बड़ा और महत्वपूर्ण होता जा रहा है, जो कहीं ना कहीं पारिवारिक ढांचे को नुक़सान पहुँचा रहा है। इस बात का एहसास मुझे हाल ही की भोपाल यात्रा के दौरान उस वक्त हुआ, जब मैं किसी सज्जन से मिलने के लिए गया। जहाँ मेरा स्वागत लगभग चिल्लाती हुई आवाज ने किया, 'पापा, क्या आपको इतनी सी बात समझ नहीं आती? अगर आप इसमें बदलाव नहीं कर सकते तो कृपा करके हमें अकेला छोड़ दो। खुद भी शान्ति से रहो और हमें भी शांति से रहने दो।'

उक्त शब्द सुन मेरे पाँव ठिठक कर रह गए और मैं यादों में खो गया कि इन सज्जन ने दिन रात काम करके, अपने सपनों को मारके और समझौता कर ज़िंदगी जी कर किस तरह अपने बच्चे को काबिल बनाया था और समय-समय पर उसकी ज़िदों को पूरा किया था। वैसे एक पिता और करेगा भी क्या? वह तो अपने बच्चों के लिए जीवनभर मेहनत ही कर सकता है। अर्थात् वह रात-दिन खेतों में हल चला सकता है, मजदूरी या नौकरी कर सकता है। और हाँ, वह यह सब सिर्फ अपने लिए नहीं करता, बल्कि अपने परिवार की खुशियों के लिए करता है। जी हाँ दोस्तों, पिता बच्चों की जरूरतों को पूरा करने के लिए हर संभव प्रयास करता है। वह उनकी शिक्षा, भोजन, कपड़े और स्वास्थ्य का ध्यान रखता है। यहां तक कि वह अपनी इच्छाओं को भी त्याग देता है, ताकि उसके बच्चे अच्छी जिंदगी जी सकें। लेकिन दुख तब होता है जब वही बच्चे बड़े होकर अपने पिता के बलिदान को भूल जाते हैं। मेरी नजर में यह कृतघ्नता का सबसे बड़ा उदाहरण है। माता-पिता, जिन्होंने अपने बच्चों के लिए जीवनभर त्याग किया, उन्हें अकेलेपन और असहायता में छोड़ देना, मानवता के विरुद्ध है। इसकी मुख्य वजह बच्चों को परिवार और साथ का महत्व ना समझा पाना और साथ ही स्व-हित आधारित जीवन जीना सिखाना है। जिसकी वजह से बच्चे केवल अपने फायदे के बारे में सोचते हैं और परिवार के प्रति अपनी जिम्मेदारियों को नजरअंदाज कर देते हैं। अर्थात् अपने स्वार्थ के कारण परिवार से अलग हो जाते हैं और इसे अपनी समझदारी मानते हैं। सोच कर देखियेगा, ऐसा करना क्या वाकई समझदारी है? मेरी नजर में तो नहीं! आज कहीं ना कहीं स्वार्थ आधारित यही सोच परिवार का ताना-बाना तोड़ रही है। दोस्तों, कहीं ना कहीं हम उन्हें यह बताना भूल गए हैं कि परिवार समाज की सबसे छोटी लेकिन सबसे मजबूत इकाई है। यह भावनाओं, संबंधों और जिम्मेदारियों का एक ताना-बाना होता है। जब परिवार के सदस्यों के बीच स्वार्थ बढ़ जाता है और वे अपने कर्तव्यों को भूल जाते हैं, तो परिवार बिखरने लगता है। अगर आप अपने बच्चों को इस विनाशकारी सोच से बचाना चाहते हैं तो उन्हें बचपन से समझाइए कि एक परिवार को जोड़कर रखने के लिए निस्वार्थ प्रेम और जिम्मेदारी की भावना आवश्यक है। इस दुनिया में स्वार्थी व्यक्ति कभी भी सही मायने में खुश नहीं रह सकता। जो लोग अपने स्वार्थ के कारण परिवार में फूट डालते हैं, वे कभी भी सफलता और सुख को पूरी तरह से महसूस नहीं कर पाते। हमारा कर्तव्य है कि हम अपने माता-पिता का सम्मान करें और उनकी देखभाल करें। माता-पिता का आशीर्वाद ही जीवन की सबसे बड़ी पूंजी होती है। जब वे बुजुर्ग हो जाते हैं, तब उन्हें हमारे प्यार और सहारे की सबसे ज्यादा जरूरत होती है। एक अच्छा इंसान वही है जो अपने माता-पिता की सेवा करता है और उनके जीवन के अंतिम समय तक उनका साथ निभाता है। यह न केवल हमारी जिम्मेदारी है, बल्कि हमारी संस्कृति और संस्कार भी हमें यही सिखाते हैं। अंत में निष्कर्ष के रूप में इतना ही कहना चाहूँगा कि परिवार में प्रेम, त्याग और कर्तव्य की भावना बनाए रखना ही सच्ची समझदारी है। स्वार्थ छोड़कर अगर हम मिलजुलकर रहें, तो जीवन में सच्ची खुशी और शांति का अनुभव कर सकते हैं। माता-पिता के प्रति कृतज्ञता और सम्मान रखना हमारी पहली और सबसे बड़ी जिम्मेदारी है। याद रखिएगा, माता-पिता की सेवा करके ही हम अपने जीवन को सार्थक बना सकते हैं।

एग्रीकल्चर कॉलेज में हंगामा ! डीन की कुर्सी पर मंडराया खतरा

इंदौर ■ ग्लोबल हेराल्ड

कलेक्टर ने दिया जांच का आश्वासन

आज छात्रों ने बैनर, पोस्टर के साथ में रैली निकाली और डीन को हटाने की मांग की। छात्रों ने कलेक्टर कार्यालय में कलेक्टर आशीष सिंह से मुलाकात की और अपनी मांगें रखी। कलेक्टर ने निष्पक्ष जांच का आश्वासन दिया और छात्रों को वापस भिजवाया।

इंदौर के एग्रीकल्चर कॉलेज के छात्र डीन भरत सिंह को हटाने के लिए प्रदर्शन कर रहे हैं। आज भी भंवरकुआं चौराहे से कलेक्टर कार्यालय तक छात्रों ने रैली निकाली। छात्रों की मांग है कि डीन भरत सिंह को तुरंत हटाना चाहिए। नेशनल एजुकेटेड यूथ यूनियन के (एनईवाययू) रणजीत किसानवंशी ने बताया कि डीन पर लगे कई आरोपों की जांच चल रही है और जिसकी भी जांच चलती है उसे पद पर नहीं रहना चाहिए।

कॉलेज के डीन भरत सिंह पर छात्राओं से बदतमीजी करने जैसे अनेक आरोप हैं। छात्रों का कहना है डीन से महिला प्रोफेसर भी सुरक्षित नहीं हैं। सभी ने कहा जब से प्रोफेसर भरत सिंह डीन बने हैं तब से कॉलेज का माहौल खराब हो गया है। यह जब डीन नहीं थे उस समय भी एक महिला प्रोफेसर ने उनके साथ बदतमीजी का आरोप लगाया था उस बात को लेकर हमने वीसी को शिकायत की थी तबसे लेकर यह हमसें रंजिश पाले हुए हैं और हमको डराते धमकाते हैं जब हम हॉस्टल की समस्या को लेकर उनके पास जाते हैं तो यह हमसे बदतमीजी करते हैं। डीन हमें धमकी देते हैं और कहते हैं कि मेरी पहुंच ऊपर तक है, डीन तो मैं केवल टाइम पास के लिए बना हूं, अभी कुछ साल बाद सीधे राजनीति में आऊंगा। तुम जैसे कई लोगों को मैं मसल चुका हूं, मुझसे टकराओगे तो तुमको भी मसल दूंगा।

आरटीओ कार्यालय अवकाश के दिन भी खुला रहेगा

इंदौर (ग्लोबल हेराल्ड)। क्षेत्रीय परिवहन कार्यालय इंदौर के निदेर्शानुसार आवेदक/वाहन स्वामियों की सुविधा एवं वित्तीय वर्ष 2024-2025 में राजस्व संग्रहण के लक्ष्य को प्राप्त करने हेतु परिवहन विभाग द्वारा लगातार कार्यवाही की जा रही है। इसको देखते हुए माह के अंतिम कार्य दिवसों में 29 मार्च एवं 30 मार्च 2025 को साप्ताहिक अवकाश में राजस्व संग्रहण हेतु क्षेत्रीय परिवहन कार्यालय इंदौर खुला रहेगा।

ये बच्चे है या मजदूर

डॉ. संजय बिन्दल
फिल्म निमार्ता एवं प्रबंधन विशेषज्ञ
ग्लोबल हेराल्ड

इस आधुनिक दुनिया की रात-दिन की भागदौड़ में जिंदगी कितनी अजीब हो गई है। माँ-बाप और बच्चे जैसे एक अजनबी होते जा रहे है। ये मासूम आज की भागम-भाग में अपना बचपन खो कर जैसे असमय ही जवानी में प्रवेश कर रहे है। बच्चा मात्र 2 साल का होते ही उस पर ऐसा कहर टूट रहा है कि देखकर अफसोस होने लगा है।

आजकल माता पिता दोनो कामकाजी हो गये तो किसी के पास समय नही। इसलिए एक मेड रखी जाती हैं जो 24 घण्टे घर पर ही रहकर बच्चों की देखभाल करती है। बच्चे उनके साये में बढ़े होते है। अब सुनिए मेड होती है 15-17 साल की बच्चियां। हाथ मे स्मार्ट फोन और दिन भर किसी बाय फ्रेंड से बतियाती रहती है। अब सोचिये बच्चे क्या सीखेंगे उससे? क्या संस्कार आएंगे उनमें? बच्चों से वो किस तरह बिहेव करती है आपको क्या पता? एक परिचित के बच्चे हमेशा डरे सहमे से रहते थे। जब थोड़ा ध्यान गया तो पता लगा मेड उन्हें डरा धमकाकर रखती थी ताकि बच्चे तुरन्त उसकी बात मान कर खाना खाने में, तैयार होने में समय न लगाएं और वो मोबाइल में ज्यादा समय दे सके। अब बच्चे तो मस्ती भी करते है, दिनचर्या में थोड़े नखरे भी दिखाते है। अरे तो यही तो उनका बचपन है। कई बार माता-पिता भी काम-काज व आपसी झगड़ो में चिढ़-चिढ़े होने से बच्चों के साथ ऐसा ही व्यवहार करते है। पर सोचिये बड़े होकर इन बच्चों की मानसिकता भी वही लड़ाई-झगड़े की व फ्रस्ट्रेटिंग हो जाएगी। बच्चें बड़ो से ही सीखते है। युवावस्था तक आते आते ये आत्मघाती कदम तक उठाने लगे है। सुबह 6 बजे बच्चे को जबरदस्ती उठाया जाता है। जरा भी आलस करता है तो डांट पड़ती है। फिर 7 बजे खुद के वजन का 40% भारी बस्ता लिए स्कूल जाना और सीधे 2-3 बजे घर आना। अधिकतर बच्चे देखिएगा रास्ते में स्कूल बस में ही थककर सो जाते है। फिर 1 घण्टे होमवर्क या ट्यूशन फिर 4 बजे कोई और क्लास जैसे म्यूजिक या कोई प्लेस्कूल। अब बच्चा शाम को थक के चूर होकर 7 बजे घर लौटता है तो खाना खाकर अपना अगले दिन के लिए बस्ता जमाता है। माँ बाप भी 8 बजे घर आते है फिर कभी किसी पार्टी आदि में चले जाते है। बच्चा 9 बजे तक सो जाता है। सुबह जल्दी उठकर स्कूल जाना होता है। ये हाल बच्चा जब 2 साल का होता है तब से चालू हो जाता है। बस उसकी क्लासेस बदलती रहती है उसकी जिंदगी नही बदलती। इसलिए वो भी आजकल मोबाइल देखकर मन बहलाता है। 90% बच्चे आजकल बिना मोबाइल हाथ मे लिए एक कौर खाने का मुंह में नहीं लेते। अब मेड भी जल्दी खिलाने के चक्कर में हाथ में मोबाइल पकड़ा देती है। अब मोबाइल की आदत तो लग गई अब वो किस तरह का कंटेंट देख रहा है किसी को पता नही। माँ बाप कहते है कि हम ऑफिस में रहते है तो बच्चा घर पर टीवी-मोबाइल देखता रहता है इसलिए उसे क्लास भेज देते है। पर ये मोबाइल की आदत भी तो उन्हीं के कारण पड़ी ना। तो बच्चों को दोष क्यों? अब इसका दूसरा पहलू भी देख लेते है। आजकल के दादा-दादी भी 50-55 वर्ष के होते है। दादा जी भी अपने काम या दुकानदारी में सुबह से शाम के लिए निकल जाते है। पहले की जमाने में दादी और माँ मिलकर बच्चे की देखभाल कर लेते है। अब आजकल 50-55 वर्षीय दादी भी कभी किटी पार्टी, सखियों के साथ पिकनिक या टूर पर रहती है तो वो भी बच्चों का 25% ही ध्यान रख पाती है तो दूसरी और महिला सशक्तिकरण के जमाने में महिलाएं पढ़ लिखकर जॉब या कोई बिजनेस करने लगी है। इन सब में कोई बुराई नही। महंगाई के जमाने में बच्चों को अच्छी शिक्षा, रहन-सहन देने के लिए भी दोनों जॉब करते है। महिलाओं की भी अपनी महत्वाकांक्षाये होती है और उन्हें भी हक है अपना हुनर दिखाने का। पर बच्चों का क्या? उन मासूमों का क्या दोष की कोम्प्रोमाईज उन्हें करना पड़ रहा है। त्याग तो बच्चे कर रहे है अपने बचपन का जो कभी लौटकर नही आने वाला। समस्या सिर्फ यही खत्म नही होती। किसी जमाने में साल भर में कई छुट्टियां आती थी। दिवाली पर 1 माह, क्रिसमस पर 10 दिन, गर्मियों में लगभग 3 माह, और उसके अलावा कई तीज त्योहारों पर मिलाकर 5-6 महीने छुट्टियां रहती थी। ये बच्चों के सवार्गीण विकास के लिए बहुत जरूरी होती थी। बच्चे अपने परिवार से घुलते मिलते थे। बड़ों से संस्कार सीखते थे। अपने परिचितों के घर या बाहर घूमने जाते थे। देश दुनिया को करीब से देखते थे। पर अब छुट्टियां सिमटकर रह गई। अब गर्मी की छुट्टी होते ही फिर एक माह को स्कूल लग जाते है। और जुलाई की जगह जून में ही स्कूल खुल जाते है। दिवाली पर 2-4 दिन का अवकाश और बाकी तीज त्योहार पर सरकारी छुट्टी के अलावा सब खत्म। इसमें स्कूल की व्यवसायिक प्रवर्ति व सरकारी नियम कायदे सब बराबर के दोषी है। कुछ वर्षों पूर्व राज्य सरकार ने खुद छुट्टियां सीमित कर दी थी। अब इसके आगे सुनिए। जैसे ही गर्मियों की सीमित छुट्टियां लगती है वैसे ही समर क्लासेस का बाजार चालू हो जाता हैं। बच्चों के विकास के तरह तरह के लुभावने सपने दिखाए जाते है। माँ-बाप को तो कोई गर्मियों की छुट्टियां होती नही तो वो बच्चों की छुट्टियों को सरदर्दी मानकर उसे समर कैम्प रूपी कारागार में फिर धकेल देते है। बस यही जिंदगी रह गई है बच्चों की। एक बंधुआ मजदूर जैसी। वर्तमान सामाजिक व्यवस्था ने इन मासूमों से अपना बचपन छीन लिया। कुछ मजबूरियों, कुछ परिस्थितियों और कुछ व्यवस्थाओं के नाम पर। पर बेचारे इन मासूमों का क्या दोष? जरूरी है एक ऐसी शिक्षण व्यवस्था की जहाँ होमवर्क नाम की बीमारी खत्म की जाए। स्कूलों से अनावश्यक पाठ्यक्रम खत्म कर समय कम करा जाय ताकि अन्य गतिविधियां जैसे म्यूजिक, स्पोर्ट्स को वहीं पर समय दिया जा सके ताकि कहीं अन्य क्लास में जाने की आवश्यकता खत्म हो सके। बच्चों को शुरू से ही तकनीकी से परिचित कराया जाए। पांच वर्ष तक बच्चे को अधिक से अधिक परिवार के साथ समय मिले। 3 वर्ष के पहले बच्चे को किसी भी किंडरगार्टन में भेजने आदि पर पाबंदी हो। बस्ते का बोझ आवश्यक रूप से खत्म हो। जब घर पर पढ़ने की जरूरत नही होगी या होमवर्क नही होगा तो बस्ते को घर लाने की जरूरत भी नही होगी। माँ-बाप, दादा-दादी या घर के अन्य सदस्य एक बेलेंस बनाकर प्लानिंग करके बच्चों को समय दे। उनसे उनकी समस्याएं समझे। आजकल बच्चे दुष्कर्म का शिकार हो रहे है। इस बात का विशेष ध्यान रखे। उनके साथ सतत संवाद रखे। ये सब उपाय सजेस्टिव है। उपाय कोई भी हो या मिलेजुले हो पर उद्देश्य एक ही हो की बच्चों से उनका बचपन न छीना जाए। आप आज भले कमा ले पर सन्तान रूपी सम्पत्ति को खो देंगे।

दो शराब दुकानों की नीलामी 13 करोड़ में हुई, 256 करोड़ की 27 दुकानें बच गईं

इंदौर ■ ग्लोबल हेराल्ड

आबकारी विभाग अपनी सभी दुकानों की नीलामी में जुटा है। मगर पहली खेप में 20 फीसदी से अधिक कीमत पर कई समूह आगामी वित्त वर्ष के लिए भी वर्तमान ठेकेदारों ने हासिल कर लिए। इंदौर की 175 दुकानों के लिए कुल 73 समूह विभाग ने बनाए थे और कुल 1751 करोड़ रुपए का आरक्षित मूल्य तय किया, जिसमें से 1495 करोड़ की दुकानें नीलाम हो गई हैं और अब 256 करोड़ की 27 दुकानें नीलामी से बची हैं, जिनके लिए 10 फीसदी से कम के भी प्रस्ताव हासिल करने की सहमति शासन ने दे दी है। वहीं अभी तीन समूह में शामिल दुकानों की नीलामी हो गई, जिसमें पलासिया, छावनी, बिजलपुर समूह शामिल रहे।

20 फीसदी से अधिक का मूल्य दे रहे व्यापारी

शासन ने अपनी नई आबकारी नीति के तहत इंदौर सहित प्रदेशभर में देसी-विदेशी शराब दुकानों की नीलामी की प्रक्रिया शुरू करवाई। हालांकि इंदौर जिले में बेहतर राजस्व प्राप्त हो जाएगा, क्योंकि 64 दुकानों को अगले साल के लिए भी चलाने का ठेका मौजूदा लाइसेंसियों ने ही हासिल कर लिया है और इसके एवज में 20 फीसदी से अधिक का मूल्य भी चुकाया जा रहा है। शेष बची समूहों की दुकानों के लिए हालांकि 4 से 5 बार आबकारी विभाग ई-टेंडर और लॉटरी की प्रक्रिया कर चुका है और उसके बाद जो 18 समूह की 34 दुकानें बची थी उसमें भी फिर बदलाव किया गया, जिसके चलते 3 समूह की दुकानें भी नीलाम हो गई, जिसमें बिजलपुर, केसरबाग, बालदा कॉलोनी की तीन दुकानों के एवज में 27.62 करोड़ रुपए मिलेंगे।

दो दुकानें 17 करोड़ में गईं

इसी तरह पलासिया, बड़ी ग्वाल टोली की 2 दुकानें 17.05 करोड़ रुपए में नीलाम हुई हैं। संयोगितागंज, छावनी की भी दो दुकानें 13.30 करोड़ रुपए में नीलाम करने में सफलता मिली है। आबकारी निरीक्षक महेश पटेल के मुताबिक अब 256 करोड़ रुपए मूल्य की 27 दुकानें नीलामी से शेष बची हैं, जिसकी प्रक्रिया जारी है। इस बार सभी दुकानों का आरक्षित मूल्य 1751 करोड़ रुपए तय किया गया था, जिसमें से 1495 करोड़ रुपए की दुकानें अगले वित्त वर्ष के लिए नीलाम हो गई हैं और कुछ दुकानों पर सिंगल टेंडर भी मिले। वहीं अन्य दुकानों के लिए नए सिरे से टेंडर प्रक्रिया शुरू की गई।

भाजपा संगठन महामंत्री शर्मा ने पार्षदों की ली क्लास, पूछा- कौन कौन स्वदेशी अपनाता है ?

इंदौर ■ ग्लोबल हेराल्ड

भाजपा के प्रदेश संगठन महामंत्री हितानंद शर्मा ने शुक्रवार को भाजपा के पार्षदों की क्लास ली। उन्होंने जब पार्षदों से उनके वार्डों का रिपोर्ट कार्ड पूछा तो कई महिला पार्षद ठीक से जवाब नहीं दे पाईं। शर्मा ने संवाद के रूप में पार्षदों से सवाल पूछे, लेकिन ज्यादातर पार्षद जवाब देने से बचते रहे। उन्होंने पार्षदों से कहा कि स्वदेशी अपनाना चाहिए। हमारी पार्टी इस पर जोर देती है। बताइये जरा-कौन कौन स्वदेशी वस्तुएं अपनाता है, लेकिन किसी पार्षद ने जवाब नहीं दिया।

इसके बाद शर्मा ने कहा कि इंदौर में भाजपा के लाखों कार्यकर्ता हैं। यदि बूथ स्तर पर कार्यकर्ता से मिलना है तो कैसे व्यवस्था करेंगे पार्षद, लेकिन इसका भी कोई जवाब देने आगे नहीं आया, हालांकि, फिर शर्मा ने ही पार्षदों को समझाया। उन्होंने पार्षदों से कहा कि अपेक्षा, उपेक्षा और समीक्षा के हिसाब से खुद का आकलन करें। जनता जनप्रतिनिधियों से अपेक्षा करेगी, लेकिन पार्षद को जनता और कार्यकर्ता की उपेक्षा नहीं करना है। उनसे प्रेमपूर्वक व्यवहार करना चाहिए। इसके अलावा पार्षदों को खुद के कामों की समीक्षा भी करना चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि पार्षद यदि संगठन में बड़े नेतागणों से उपेक्षा नहीं चाहते है तो वे अपने कार्यकर्ता की उपेक्षा न करे।

10 पंखे में काम चल सकता है, 20 पंखे क्यों?

हितानंद शर्मा हॉल में आवश्यकता से ज्यादा हैलोजन और पंखे देखकर बोले कि एनर्जी सेविंग पर ध्यान देना चाहिए। इस हॉल में इतने हैलोजनों की जरूरत नहीं है। जितने लोग हॉल में हैं। उतनों के लिए 12 पंखे ही पर्याप्त हैं, लेकिन यहां तो 20 पंखे चल रहे हैं। हॉल के बाद अव्यवस्थित रखे गए जूते-चप्पलों को लेकर उन्होंने कहा कि मैं जब हॉल में प्रवेश कर रहा था तो बिखरे जूते-चप्पल देखकर लगा ही नहीं कि संगठन की बैठक में जा रहा हूं। इन बातों का ध्यान रखना चाहिए।

पार्षद पेंढ़ारकर नाराज होकर चली गईं

बैठक के पहले सत्र में शर्मा ने एक नंबर वार्ड से 40 नंबर वार्ड के पार्षदों का रिपोर्ट कार्ड मांगा। कुछ महिला पार्षद बस यह बोलकर खामोश हो गईं कि उनके वार्डों में अच्छे काम हुए हैं। इसके लिए हम पार्टी का धन्यवाद करते हैं। एक पार्षद रुपाली पेंढ़ारकर क्रम से पहले रिपोर्ट कार्ड प्रस्तुत करना चाहती थीं तो उन्हें रोक दिया गया। इससे नाराज होकर वह चली गईं। दूसरे सत्र में 41 से लेकर 85 वार्ड के पार्षदों ने कामों की जानकारी दी।

शनि के राशि परिवर्तन पर बांटे गए औजार, गुरुजी बोले- मजदूर के पसीने में बसते हैं शनिदेव

इंदौर ■ ग्लोबल हेराल्ड

इंदौर के खजराना चौराहे पर शनिवार को एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन हुआ। इस कार्यक्रम में दिहाड़ी मजदूरों को गैती, फावड़ा, तगारी जैसे निर्माण कार्य के औजार वितरित किए गए। यह कार्यक्रम डिवाइन एस्ट्रो हीलिंग के संस्थापक कृष्णा गुरुजी के मार्गदर्शन में आयोजित हुआ। यह आयोजन आगामी 29 मार्च 2025 को शनि ग्रह के मीन राशि में प्रवेश के पावन अवसर को लेकर किया गया। बताया गया कि ये अवसर लगभग 30 वर्षों आया है।

कृष्णा गुरुजी ने बताया कि हर ग्रह किसी न किसी पेशे से जुड़ा होता है और शनि ग्रह विशेष रूप से मजदूर वर्ग और लोहे से संबंधित कार्यों का प्रतिनिधि है। उन्होंने कहा कि शनि नवग्रह साक्षात मजदूर और मजदूर के पसीने में बसते हैं। इसीलिए शनि के राशि परिवर्तन पर श्रमिकों को सहयोग देना अत्यंत पुण्य का कार्य है। इस दिन अमावस्या होने के कारण कार्यक्रम के बाद शनि पूजन भी किया गया। इस दौरान उपस्थित श्रमिकों से कहा गया कि वे नये औजारों का उपयोग पूजन के बाद प्रारंभ करें। कार्यक्रम के दौरान एक महिला श्रमिक ने कहा कि हमें तो ये औजार किराए पर लेने पड़ते हैं। इस पर कृष्णा गुरुजी ने उन्हें संबंधित दुकान का पता देकर कहा कि आप कल जाकर दुकान से यह सामान निःशुल्क प्राप्त कर सकती हैं। इस दौरान कृष्णा गुरुजी ने सभी नागरिकों से भी अनुरोध किया कि वे भी अपने आसपास के श्रमिक वर्ग की यथासंभव सहायता करें और शनि की विषमता को सेवा से संतुलित करें। उन्होंने कहा कि ऐसे सत्कर्म से जीवन में सकारात्मक ऊर्जा और आशीर्वाद प्राप्त होते हैं।

ठंडी हवाओं ने दी राहत, गिरा पारा, फिर से बदलेगा मौसम

इंदौर ■ ग्लोबल हेराल्ड

मध्यप्रदेश में मौसम एक बार फिर से बदलाव के दौर से गुजर रहा है। कई जिले भीषण गर्मी से जूझ रहे हैं तो कई जिलों में ठंडी हवाओं ने राहत दी है। इंदौर में पारा कम हुआ है और ठंडी हवाओं की वजह से लोगों को राहत मिली है। गुरुवार को दिन का पारा 37.6 डिग्री पर रहा और रात का पारा 21.8 डिग्री पर आ गया। दिन के पारे में 0.6 डिग्री की गिरावट देखी गई। आज सुबह से भी ठंडी हवाओं ने मौसम को बेहतर कर रखा है। रात में भी पिछले दो दिन की तुलना में पारा काम रहा।

गुरुवार को छतरपुर के खजुराहो में इस सीजन में पहली बार गुरुवार को तापमान 41.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। वहीं, ग्वालियर और जबलपुर में तापमान 40 डिग्री के आसपास रहा। दमोह, गुना, शिवपुरी, सतना और सागर जैसे शहरों में भी 40 डिग्री या उससे अधिक तापमान रिकॉर्ड किया गया। प्रदेश में लगातार तापमान बढ़ने के कारण लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। हालांकि, मौसम विभाग के अनुसार, आने वाले 2 से 3 दिनों में तापमान में थोड़ी गिरावट हो सकती है। मौसम विभाग का कहना है कि पिछले तीन दिनों से तापमान में बढ़ोतरी का कारण पश्चिम और दक्षिण-पश्चिम से आ रही गर्म हवाएं हैं। निवाड़ी का पृथ्वीपुर और छतरपुर का खजुराहो फिलहाल सबसे गर्म स्थान हैं। गर्म हवाओं के चलते वातावरण में गर्मी का प्रभाव अधिक हो गया है। शुक्रवार से कुछ शहरों में तापमान में मामूली गिरावट की उम्मीद जताई जा रही है, लेकिन अप्रैल की शुरूआत में लू चलने की संभावना भी बनी हुई है, जिससे लोगों को और ज्यादा सतर्क रहना होगा।

इंदौर में बने रहे डिजिटल बस स्टॉप, बसों की जानकारी और चार्जिंग की सुविधा भी रहेगी

इंदौर ■ ग्लोबल हेराल्ड

इंदौर में बस स्टापों पर सुविधाएं बढ़ाने का काम शुरू हो चुका है। इसी क्रम में बस स्टापों को आधुनिक किया जा रहा है। इस काम में यात्रियों की सुविधाओं को बढ़ाने पर खास ध्यान दिया जाएगा। डिजिटल बस स्टॉप पर यात्रियों को आराम दायक सीट के अलावा मोबाइल चार्जिंग की सुविधा भी मिलेगी।

इंदौर में 15 साल पहले सिटी बसें चलना शुरू हुई थीं। उसी दौरान पीपीपी मॉडल पर 200 बस स्टॉप बनाए गए थे। स्टॉपों पर विज्ञापन भी लगाए जाते थे, लेकिन अब उन स्टॉपों को अपडेट किया जा रहा है। वहां डिजिटल डिस्प्ले लगाए जाएंगे। इसके अलावा आरामदायक सीट, दिव्यांगों व वरिष्ठजनों के लिए रैंप और मोबाइल चार्जिंग की सुविधा भी रहेगी। मॉडल के तौर पर बांबे अस्पताल क्षेत्र में एक बस स्टॉप तैयार हो चुका है। नगर निगम के अफसरों ने बताया कि कुछ बस स्टॉप काफी पुराने हैं। उनका स्ट्रक्चर भी बदला जाएगा। इसके अलावा टाइल्स भी नई लगाई जाएंगी। कुछ नए स्थानों पर भी बस स्टॉप बनाए जाएंगे। स्टॉप पर कौन-कौन से रुट की बसें आती है और उनका क्या समय है। इसकी जानकारी भी दी जाएगी। जिन बस स्टॉपों पर ज्यादा भीड़ रहती है। वहां कैमरे लगाने की योजना भी है। जल्दी ही शहर के अन्य बस स्टॉपों को भी बदला जाएगा।

नहीं होती है सफाई

शहर में जो पुराने बस स्टॉप बने हैं। वहां सफाई का अभाव रहता है। कुर्सियां गंदी रहती हैं और कचरा भी समय पर नहीं उठता है। इसके अलावा कुछ स्टॉपों पर असामाजिक तत्वों ने कब्जे करके रखे हुए हैं। वे वहां पर खाना बनाते है और रात के समय सोते है। इस कारण यात्री भी उन स्टॉपों पर खड़े रहने से डरते है। ऐसे स्टाप को भी अतिक्रमण से मुक्त कराया जाएगा।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का 31 मार्च को महेश्वर में कार्यक्रम प्रस्तावित

इंदौर। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का 31 मार्च को महेश्वर में देवी अहिल्या बाई होल्कर के त्रि-शताब्दी जन्म जयंती के अवसर पर संस्कृति विभाग मप्र शासन तथा विश्व मांगल्य सभा के संयुक्त तत्वाधान में आयोजित राष्ट्र समर्था देवी अहिल्या की पुण्य गाथा नाट्य कार्यक्रम में आगमन प्रस्तावित है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव के महेश्वर में प्रस्तावित कार्यक्रम को लेकर जिला प्रशासन द्वारा तैयारियां प्रारंभ कर दी गई है। कलेक्टर खरगोन सुश्री भव्या मित्तल एवं पुलिस अधीक्षक श्री धर्मराज मीणा द्वारा अधिकारियों के साथ 28 मार्च को महेश्वर के हेलीपेड, किला परिसर एवं सभा स्थल का निरीक्षण किया गया और अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।

पचास से ज्यादा फर्जी खाते बैंकों में खोल रखे थे भावना हत्याकांड के दोनो आरोपियों ने

इंदौर ■ ग्लोबल हेराल्ड

महालक्ष्मी नगर में हुए भावना सिंह हत्याकांड के आरोपी अब सलाखों के पीछे है। पुलिस हत्या के केस के साथ आरोपियों के सट्टे के कारोबार की भी जांच कर रही है, ताकि उसके जरिए गिरोह में शामिल दूसरे सदस्य भी पकड़े जा सके। आरोपी आशु और मुकुल ने मोबाइल की फर्जी सिम बड़े पैमाने पर खरीदी थी। उनके जरिए वो बैंकों में फर्जी खाते खोले थे, ताकि आनलाइन सट्टे का पैसा उन खातों में ट्रांसफर किया जा सके।

सट्टेबाजी में उनके साथ और कौन-कौन शामिल है। इसकी पड़ताल भी पुलिस अफसर कर रहे हैं। मुकुल और आशु का वैसे पुलिस को पुराना आपराधिक रिकार्ड नहीं मिला। दोनों पहले एक कंपनी में काम करते थे। साल भर पहले ही उन्होंने नौकरी छोड़कर सट्टेबाजी का काम शुरू किया था। एप के जरिए वे नए लोगों को इससे जोड़ते थे। आरोपियों के जिन दोस्तों ने फ्लैट का रेंट एग्रीमेंट कराया था, क्या वे भी सट्टेबाजी में उनके साथ शामिल थी। इसकी भी जांच की जा रही है। भावना इंदौर में मेकअप का कोर्स करने के लिए ग्वालियर से हत्या के तीन दिन पहले ही आई थी। वह एक होटल में रुकी थी। हत्या के एक दिन पहले भी वह आरोपियों के साथ फ्लैट में पार्टी करने गई थी। स्वस्ति राय भावना की सहेली थी, लेकिन भावना ग्वालियर के निवासी होने के कारण आशु और मुकुल को भी पहले से जानती थी, इसलिए वह पार्टी में जाने के लिए तैयार हो गई थी। पार्टी में चारों ने शराब पी थी और गाना बदलने को लेकर विवाद हुआ था। जिस कारण मुकुल ने गोली चला दी।

अग्नि सुरक्षा के तहत प्रशासन ने मारा छापा आभूषण कारखाने से 27 सिलिंडर जब्त

इंदौर ■ ग्लोबल हेराल्ड

इंदौर की मोरसेली गली में प्रशासन की टीम ने छापा मार कार्रवाई की। यहां मेटल पिघलाकर आभूषण बनाने वाले कारखाने पर कई अनियमितताएं मिली। इस दौरान कारखाने से 27 घरेलू सिलिंडर जब्त किए गए। इसके अलावा इस क्षेत्र की पांच दुकानों में भी पर्याप्त सुरक्षा के इंतजाम नहीं पाए गए। इतना ही नहीं यहां बाल श्रमिक काम करते मिले हैं। टीम ने कार्रवाई करते हुए संचालक के खिलाफ केस भी दर्ज किया है।

बता दें कि प्रशासन ने 'अग्नि सुरक्षा' के लिए शहर में अभियान चलाया हुआ है। शहर के पुराने इलाकों की छोटी गलियों में कारखाने संचालित होते हैं, लेकिन वहां सुरक्षा के इंतजाम नहीं होते हैं। हाल ही में क्लाथ मार्केट में छह दुकानों में आग लग गई थी। इससे पहले सराफा में भी एक मकान में आग लगने की घटना हो चुकी है।

बंगाल से लाया जाता है बाल श्रमिकों को

प्रशासन के छापेमारी में बाल श्रम का भी बड़ा मामला सामने आया है। यहां दुकान संचालक इन बाल श्रमिकों से खतरनाक काम कराते हैं। जैसे मेटल पिघलाने, तेजाब से धातु धोने का काम कराया जाता है। इन बच्चों को बंगाल से लाया जाता है और उनके माता-पिता को सालभर का पैसा इसके एवज में दिया जाता है। इस क्षेत्र में कई अन्य संस्थान हैं, जहां बाल श्रमिकों से काम कराया जा रहा है। प्रशासन अन्य क्षेत्रों की जांच भी करेगा और उनके खिलाफ एक्शन लिया जाएगा।

विभाग ने जब्त किए सिलिंडर

एसडीएम निधि वर्मा ने कमला टॉवर के जिस कारखाने पर छापा मारा है। वहां भी सिलिंडरों से धातु पिघलाकर ज्वेलरी बनाई जा रही थी, लेकिन सुरक्षा के इंतजाम नहीं थे। यहां से सिलिंडरों को खाद्य विभाग ने जब्त किया है। संचालक के खिलाफ केस भी दर्ज किया गया है।

राज्यपाल बोले- कर्मयोगी भाव समय की जरूरत, सीएम ने कहा- राष्ट्र नीति के संकल्प पथ पर बढ़ रहा मप्र

भोपाल ■

राजभवन के सांदीपनि सभागार में 'कर्मयोगी बनें' कार्यशाला का शुभारंभ पर राज्यपाल मंगुभाई पटेल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत अब ऐसे मोड़ पर पहुंच चुका है, जहां यह स्पष्ट दिखाई दे रहा है कि 21वीं सदी भारत की सदी होगी। उन्होंने कर्मयोगी भाव को, भावनाओं के साथ प्रतिबद्ध प्रयास के रूप में प्रस्तुत करते हुए इसे विकसित भारत के निर्माण के लिए समय की सबसे बड़ी आवश्यकता बताया। उन्होंने कहा कि कर्मयोगी पथ दैनिक जीवन में उच्च उद्देश्य के लिए कार्य करने का वह मार्ग है, जो व्यक्तिगत उन्नति के साथ समाज सुधार और सेवा का प्रभावी साधन बन सकता है। पटेल ने आगे कहा कि देश ने ज्ञान, विज्ञान और अर्थव्यवस्था के क्षेत्र में अभूतपूर्व प्रगति की है, जिससे भारत की दुनिया में नई पहचान बनी है। उन्होंने कहा कि एकजुट प्रयासों से राष्ट्र निर्माण की दिशा में कई महत्वपूर्ण कदम उठाए जा सकते हैं। उन्होंने यह भी कहा कि कर्मयोगी बनने के लिए काम की प्रकृति कुछ भी हो, व्यक्ति को लगातार कार्य करते रहना होगा और इसके लिए सकारात्मक दृष्टिकोण, समय प्रबंधन और कर्तव्य पालन की आवश्यकता होती है।

इन वक्ताओं ने भी किया संबोधित

कार्यशाला में कई प्रमुख वक्ताओं ने अपने विचार रखे। उच्च शिक्षा मंत्री इंदर सिंह परमार ने कहा कि कर्मयोग का चिंतन केवल राष्ट्र जीवन के लिए आवश्यक नहीं है, बल्कि यह शिक्षा जगत में भी आमूल-चूल परिवर्तन का कारण बनेगा। प्रोफेसर बाला सुब्रह्मण्यम ने कर्मयोग के सिद्धांतों के माध्यम से कर्मचारियों की क्षमता वृद्धि पर जोर दिया और इस दिशा में किए गए प्रयासों की सराहना की। आईआईटी कानपुर के अध्यक्ष पद्मश्री के. राधाकृष्णन ने शिक्षकों से आग्रह किया कि वे गुरु बनकर युवाओं को कर्मयोगी बनाने में मदद करें। उन्होंने कहा कि भगवत गीता के सिद्धांतों को छात्रों में जागरूक किया जाए।

78 विवि के प्रमुखों ने हिस्सा लिया

यूनाइटेड कॉन्शियसनेस के ग्लोबल संयोजक विक्रांत सिंह तोमर ने कार्यशाला की जानकारी देते हुए बताया कि इस कार्यक्रम में 78 विश्वविद्यालयों के शैक्षिक प्रमुखों ने हिस्सा लिया। 11 हजार से अधिक शिक्षकों और विद्यार्थियों ने कर्मयोगी शिक्षा की चुनौतियों और समाधानों पर विचार किया। इस कार्यशाला में प्रदेश के सरकारी और निजी विश्वविद्यालयों के कुलगुरु, कुलपति, प्राचार्य और अन्य शैक्षिक संस्थाओं के प्रमुखों ने भाग लिया और कर्मयोग के सिद्धांतों पर व्यापक चर्चा की।

तमिल, तेलुगू पढ़ने वाले विद्यार्थियों को प्रोत्साहित करेंगे : सीएम

इस अवसर पर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि मध्य प्रदेश राष्ट्र नीति के संकल्प पथ पर आगे बढ़ रहा है और यहां की विविधता, भाषाएं, बोलियां और संस्कृति राज्य की शान हैं। उन्होंने यह भी घोषणा की कि प्रदेश में तमिल और तेलुगू जैसी अन्य भाषाओं को पढ़ने वाले विद्यार्थियों को प्रोत्साहित किया जाएगा। इसके साथ ही, मिशन कर्मयोगी के तहत राष्ट्रीय विशेषज्ञों की कमेटी बनाई जाएगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह कार्यशाला एक अद्भुत पहल है, जिसका उद्देश्य कर्मयोग के सिद्धांतों को समाज में सशक्त रूप से स्थापित करना है। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को कर्मयोगी परंपरा का आदर्श बताया और कहा कि मिशन कर्मयोगी का उद्देश्य प्रधानमंत्री के मार्गदर्शन में सुशासन को सभी स्तरों पर लागू करना है। उन्होंने यह भी कहा कि भारतीय संस्कृति की विशालता में पूरे ब्रह्मांड के कल्याण का चिंतन समाहित है।

एमपी में ट्रक ने पुल पर बाइकों को मारी टक्कर, बाइक सहित नदी में गिरे 7 लोग

राजगढ़ ■

मध्यप्रदेश के राजगढ़ में शुक्रवार को एक बड़ा हादसा हुआ यहां नेवज नदी के छोटे पुल पर एक ट्रक ने दो बाइकों को टक्कर मार दी। ट्रक की टक्कर से दोनों बाइक और उन पर सवार 7 लोग पुल से नदी में जा गिरे जिसके कारण उन्हें चोटें आई हैं। दो घायलों की हालत गंभीर बताई जा रही है जो कि मां-बेटे हैं और उन्हें गंभीर हालत में भोपाल रेफर किया गया है। बाइकों को टक्कर मारने के बाद ट्रक भी पुल पर ही पलट गया।

हादसे के प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि ट्रक के ब्रेक कोरी मंदिर के पास फेल हो गए थे। सड़क पर ढलान होने के कारण ड्राइवर ने ट्रक को रोकने की बहुत कोशिश की, लेकिन वह

नियंत्रण नहीं कर सका। ब्रेक फेल होने के कारण ड्राइवर लगातार हॉर्न बजाते और चिल्लाते हुए लोगों को रास्ते से हटने का इशारा कर रहा था। करीब 200 मीटर लंबी रिहायशी बस्ती को पार करने के बाद ट्रक जैसे ही नेवज नदी के छोटे पुल पर पहुंचा तो वहां दो मोटरसाइकिल को टक्कर मार दी। ट्रक की टक्कर लगते ही दोनों बाइक और उन पर सवार लोग पुल से करीब 15 फीट नीचे नदी में जा गिरे और ट्रक भी पुल पर पलट गया।

7 लोग घायल, दो की हालत गंभीर

हादसे के बाद राहगीरों ने तुरंत नदी में गिरे घायलों को बाहर निकाला और अस्पताल पहुंचाया। हादसे में जो लोग घायल हुए हैं उनके नाम हमीरपुर गांव के रहने वाले जगदीश, सुरेश और लीला बाई तथा बख्तावरपुरा के देवी सिंह, उनकी पत्नी सुगन बाई, बेटा चंपालाल उम्र 9 साल और राजेश 5 साल के तौर पर हुई है। सुगन बाई और उनके बेटे चंपालाल की हालत गंभीर होने के कारण उन्हें भोपाल रेफर किया गया है।

एमपी में मंदसौर में भीषण आग आसपास के गांवों में अलर्ट

मंदसौर ■

मध्य प्रदेश के मंदसौर जिले के नाहरगढ़ थाना क्षेत्र में भीषण आग लगने का मामला सामने आया है। यहां ग्राम शक्करखेड़ी के वेंसर प्राइवेट लिमिटेड के गोदाम में खुले में पड़े प्लास्टिक पाइप में भीषण आग लग गई। घटना गुरुवार देर रात की है। इस दौरान आग बुझाने के प्रयास भी देर रात तक जारी रहे। भीषण आग की सूचना पर कलेक्टर अदिति गर्ग और पुलिस अधीक्षक अभिषेक आनंद भी मौके पर पहुंचे और स्थिति का जायजा लिया।

कैसे लगी आग, अब तक नहीं जानकारी

आग क्यों लगी अभी इसकी वजह सामने नहीं आ सकी है। मामले में इंस्पेक्टर प्रभात गौर का कहना है कि उन्हें सूचना मिली थी कि जल जीवन मिशन के तहत इस्तेमाल होने वाले पाइपों में आग लग गई है। आग बुझाने के प्रयास देर रात तक भी जारी थे, लेकिन आग पर काबू नहीं पाया जा सका। आग शाम को 6 बजे से 6-15 के बीच लगी। डब्ल्यूआरडी पाइप में आग लगने के कारण आग तेजी से फैल गई। फायर एंबुलेंस को तैनात किया गया और अब आग लगभग पूरी तरह बुझ चुकी है।

माता-पिता को गोले में बैठाकर लड़की को कमरे में ले गया तांत्रिक

रीवा। मध्यप्रदेश के रीवा में एक युवती के साथ रेप का सनसनीखेज मामला सामने आया है। एक ढोंगी तांत्रिक ने रेप की इस वारदात को अंजाम दिया है। आरोपी तांत्रिक ने भूत प्रेत के नाम पर युवती के माता-पिता को इस कदर डरा दिया कि वो कमरे के बाहर ही बैठे रहे और कमरे के अंदर तांत्रिक उनकी बेटी की आबरू तार-तार करता रहा। रेप करने के बाद तांत्रिक भाग गया तब युवती ने अपने साथ हुए रेप के बारे में परिजन को बताया और पुलिस में शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने आरोपी तांत्रिक को गिरफ्तार कर लिया है। 20 साल की युवती कई दिनों से बीमार थी। परिजन को लगा कि बेटी पर भूत-प्रेत का साया है और इसी अंधविश्वास में वो ढोंगी तांत्रिक समरेन्द्र के जाल में फंस गए।

मेरठ नीले ड्रमकांड के बाद खौफ में पति, बोला- मेरी बीवी के तो 4 बॉयफ्रेंड हैं

ग्वालियर। उत्तर प्रदेश के मेरठ में मुस्कान ने अपने बॉयफ्रेंड साहिल के साथ मिलकर जिस तरह से पति सौरभ की हत्या कर उसकी लाश के 18 टुकड़े करके नीले रंग के ड्रम में भर दिया था। इस सनसनीखेज ड्रम कांड के बाद पतियों में खौफ का माहौल है। मध्यप्रदेश के ग्वालियर में भी एक पति को आशंका है कि उसकी पत्नी अपने बॉयफ्रेंड के साथ मिलकर उसकी हत्या कर सकती है। पति का कहना है कि उसकी पत्नी के चार बॉयफ्रेंड हैं।

ग्वालियर के जनकपुरी इलाके के रहने वाले अमित कुमार सेन नाम के युवक ने मेरठ ड्रम कांड के बाद अपनी हत्या की आशंका जताई है। अमित कई दिनों से अपनी पत्नी से प्रताड़ित है। उसका कहना है कि पत्नी के चार बॉयफ्रेंड हैं और पत्नी प्रेमी के

साथ मिलकर उसकी हत्या कर सकती है। पति अमित के मुताबिक उसकी पत्नी उसे छोड़कर प्रेमी राहुल बाथम के साथ लिव इन में रह रही है। अमित का आरोप है कि पत्नी ने प्रेमी के साथ मिलकर उनके बड़े बेटे हर्ष की हत्या कर दी है और अब छोटे बेटे को अपने साथ रखे हुए हैं। इतना ही नहीं पत्नी प्रेमी राहुल के साथ मिलकर उसे जान से मारने की धमकी भी दे रही है।

लायंस क्लब द्वारा प्रीवेंटिव हेल्थ चेकअप कैंप का आयोजन

सेंधवा (निर्मला वर्मा)। समाज सेवा की मिसाल बन चुका लायंस क्लब लंबे समय से समाज कल्याण के कार्य में सक्रिय रहा है। समाज सेवा के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को निभाते हुए लायंस क्लब सेंधवा द्वारा प्रीवेंटिव हेल्थ चेकअप शिविर का आयोजन इसी का एक हिस्सा है।

इस शिविर का उद्देश्य लोगों को समय पर स्वास्थ्य जाँच की सुविधा प्रदान कर गंभीर बीमारियों के खतरों से सावधान करना था। लायंस कम्युनिटी हाल में आयोजित इस शिविर में 45 मरीजों की लिवर- 12 टेस्ट, कोलेस्ट्रॉल -10 टेस्ट, किडनी-5 टेस्ट, थायराइड-3 टेस्ट, आयरन-3 टेस्ट, डायबिटीज-2 टेस्ट, सीबीसी 28 टेस्ट और विटामिन डी की जाँच की और महत्वपूर्ण परामर्श दिया। इस अवसर पर लायंस क्लब अध्यक्ष डॉ.अतुल पटेल ने कहा कि समय पर जाँच न केवल बीमारियों की रोकथाम में सहायक होती है बल्कि यह हमारे स्वास्थ्य भविष्य की कुंजी भी है। हमारा उद्देश्य लोगों को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक बनाना है। क्लब सचिव निलेश मंगल ने कहा कि क्लब भविष्य में भी ऐसे स्वास्थ्य शिविरों का आयोजन करता रहेगा ताकि अधिक से अधिक लोगों तक स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ पहुँचे। इस शिविर में लायंस क्लब के गोपाल तायल, श्याम तायल, महेंद्र जायसवाल, विजय मालवीय, योगेश अग्रवाल, डॉ.अतुल शाह, डॉ. अनूप सक्सेना, डॉ. प्रतीक चोपड़ा, डॉ. अर्चना पटेल सहित क्लब के अनेक पदाधिकारी मौजूद थे।

कार्यालय जेल अधीक्षक, केन्द्रीय जेल, बड़वानी (म.प्र.)

EMAIL ID - centraljailbarwani@gmail.com- FAX NO.07290-222058

क्रमांक 188 /निर्वाह/2025 बड़वानी, दिनांक 26.03.2025

प्रति,

ई-टेण्डरिंग निविदा (द्वितीय) आमंत्रण सूचना

(वार्षिक ठेका वर्ष 2025-26)

• केन्द्रीय जेल, बड़वानी पर स्थापित **इलेक्ट्रिक फेंसिंग एवं सोलर संयंत्र के रख-रखाव एवं मरम्मत की सेवाएं (A.M.C.) उपलब्ध करवाने एवं प्रायोगिक जांचे तथा अन्य सामग्रियों की वार्षिक (द्वितीय)** ई-निविदा हेतु निविदा (द्वितीय) ई-टेण्डरिंग पद्धति के माध्यम से आमंत्रित की जाती है।

निविदा की जानकारी वेबसाईट **www.mptenders.gov.in** पर प्राप्त की जा सकेगी।

निविदा कार्यक्रम का विवरण निम्नानुसार है :-

क्र.	विवरण	दिनांक व समय	स्थान
01	प्री-बिड मीटिंग	15.04.2025 प्रातः 11:00 बजे	कार्यालय केन्द्रीय जेल, बड़वानी
02	निविदा फार्म क्रय करने की अंतिम तिथि, निविदा फार्म का मूल्य **05 लाख** तक की निविदा हेतु **500/-** रूपये तथा **05 लाख** से अधिक की निविदा हेतु रूपये **1000/- प्रति** फार्म राशि ऑनलाईन महालेखाकार ग्वालियर म.प्र. शीर्ष 0056, जेलें - 800 अन्य प्राप्तियाँ में जमा की जावेगी। **ऑनलाईन निविदा प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि।**	21.04.2025 सायं 05:30 बजे	वेबसाईट **WWW. mptenders.gov.in** पर प्राप्त किये जा सकेगें।
03	तकनीकी निविदा (आवश्यक दस्तावेज) की गुणवत्ता परीक्षण	22.04.2025 प्रातः 11:00 बजे	कार्यालय केन्द्रीय जेल, बड़वानी
04	निविदा खोलने की तिथि	23.04.2025 प्रातः11:00 बजे	कार्यालय केन्द्रीय जेल, बड़वानी

निविदा फार्म ऊपर दर्शित वेबसाईट पर (Online System) क्रेडिट कार्ड या ऑनलाईन भुगतान कर ही क्रय किये जा सकते है। निविदा एवं उससे संबंधित समस्त जानकारी ऊपर दर्शाइ गई वेबसाईट पर देखे। निविदा संबंधी समस्त कार्यवाही संबंधित जेलों के जेल अधीक्षको द्वारा की जावेगी। निविदा के संबंध में किए जाने वाला कोई भी संशोधन संबंधित वेबसाईट पर किया जाएगा।

G-24893/24

■ दो पहिया वाहन पर तीन सवारी ना बैठाएं सतर्क रहें, सुरक्षित रहें।
■ देर से घर आए लेकिन दुरुस्त आए, धीरे चले सुरक्षित चले।

जेल अधीक्षक
केन्द्रीय जेल,बड़वानी(म.प्र.)

मातृशक्ति महिला मंडल ने निकाला गणगौर का बाना

सेंधवा (निर्मला वर्मा)। मातृशक्ति महिला मंडल ने शुक्रवार शाम गणगौर का बाना निकाला। इसमें सेंधवा की सभी मातृ शक्तियों सम्मिलित हुई। मंडल की अंतिम वाला शर्मा ने बताया कि शाम 5:00 बजे वेलोसिटी कॉलोनी से बाना प्रारंभ होकर एबीरोड , इंदिरा कॉलोनी, से शगुन गार्डन पहुंचा। गाजे बाजे के साथ निकले बाने में ईशर के रूप में भगवान शिव और गणगौर के रूप में माता पार्वती की दिव्य, अलौकिक जीवंत झांकी चल रही थी। बाने में रास्ते भर मातृशक्ति नृत्य करते हुए आगे बढ़ रही थी। शगुन गार्डन में पहुंचकर सभी मातृशक्तियों ने गणगौर माता के झालरिए गाये।

हिंदू धर्म में गणगौर व्रत को विशेष महत्व दिया जाता है।

यह व्रत चैत्र माह के शुक्ल पक्ष की तृतीया तिथि को मनाया जाता है। और इसे भगवान शिव और माता पार्वती को समर्पित किया गया है। इस तृतीया तीज के नाम से भी जाना जाता है। गणगौर में गण का अर्थ होता है भगवान शिव।और गौर का अर्थ होता है देवी पार्वती। जिन्हें गोरी भी कहा जाता है। इस प्रकार गणगौर का अर्थ है शिव और पार्वती का दिव्य मिलन। जो प्रेम, समर्पण ,अखंड सौभाग्य का प्रतीक है। देवी गोरी ही संसारको सुहाग और सौभाग्य प्रदान करती है।इसलिए सुहागन महिलाएं शिव और देवी गोरी की पूजा करती है। ऐसी मान्यता है की गोरी तृतीया यानी चैत्र शुक्ल तृतीया तिथि को देवी पार्वती ने संपूर्ण महिलाओं को सौभाग्य का आशीर्वाद दिया था।इसी कारण से महिलाएं सौभाग्य प्राप्ति की कामना से भगवान शिव के साथ देवी गोरी की पूजा करती है।गणगौर की शुरूआत माता पार्वती ने की थी।माना जाता है कि उन्होंने भगवान शिव को अपना पति मानने के लिए कठोर तपस्या की थी। इसी तपस्या के फल स्वरुप भगवान शिव ने माता पार्वती को अपनी पत्नी माना था।इसी घटना के बाद से गणगौर व्रत की परंपरा शुरू हुई। विवाहित महिलाएं अगर भगवान शिव और माता पार्वती के प्रतीक ईश्वर और गणगौर की पूजा अर्चना करती है तो उनके पति की उम्र लंबी होती है। वहीं अगर अविवाहित महिलाएं यह त्यौहार मनाती है तो उन्हें भगवान शिव जैसा पति प्राप्त होता है। बाने में कृष्णा शर्मा, लक्ष्मी शर्मा, गीता कानूनगो, वैशाली मंडलोई ,कोमल कानूनगो ,अर्चना गुले ,रेनू भार्गव, रानी सोनी, पूजा सोनी, पूजा ठक्कर, मेघा सोनी एवं सेंधवा की सभी मातृशक्ति उपस्थित थी।

रंग से नहीं, काबिलियत से तय होती है पहचान

प्रो. आरके जैन
लेखक
ग्लोबल हेराल्ड

रंग–एक ऐसा शब्द, जो सिर्फ चमक या छाया नहीं, बल्कि समाज की गहरी दरारों का प्रतीक बन चुका है। यह वह जहरीला बीज है, जो सदियों से भारतीय समाज की मिट्टी में बोया गया और आज भी इसकी जहरीली फसल हमारे आत्मसम्मान को लील रही है। खासकर महिलाएँ–जिनकी पहचान, योग्यता और सपनों को रंग के इस पैमाने पर तौला जाता है। यह शर्मिंदगी की बात है कि आधुनिकता का ढिंढोरा पीटने वाला हमारा समाज आज भी गोरे और काले के भेद में उलझा हुआ है। लेकिन इस अंधेरे में एक चिंगारी जली–केरल की पहली महिला मुख्य सचिव शारदा मुरलीधरन ने रंगभेद की इस कुत्सित मानसिकता पर ऐसा प्रहार किया कि समाज का चेहरा शर्म से झुक गया। उनके साहस ने न सिर्फ एक बहस छेड़ी, बल्कि यह साबित कर दिया कि सफलता का कोई रंग नहीं होता–वह तो मेहनत, आत्मविश्वास और काबिलियत का प्रकाश है।

शारदा मुरलीधरन ने हाल ही में सोशल मीडिया पर अपने जीवन की कड़वी सच्चाइयाँ उजागर कीं। उनके सांवले रंग को बचपन से ही निशाना बनाया गया। ताने, कटाक्ष और अपमान उनके जीवन का हिस्सा बन गए थे। समाज ने उनके रंग को उनकी पहचान से बड़ा बना दिया, उनकी प्रतिभा को कुचलने की कोशिश की। लेकिन शारदा ने हार नहीं मानी। मेहनत और लगन से उन्होंने न सिर्फ ऊँचा मुकाम हासिल किया, बल्कि केरल की मुख्य सचिव बनकर इतिहास रच दिया। मगर समाज की संकीर्ण सोच यहाँ भी पीछे नहीं हटी। एक शख्स ने उनकी कार्यशैली की तुलना उनके पति से करते हुए बेहूदा टिप्पणी की: वह उतनी ही काली हैं, जितना उनके पति गोरे थे। यह टिप्पणी सिर्फ एक शब्द नहीं थी–यह समाज की उस गहरी बीमारी का लक्षण थी, जो रंग को इंसान की कीमत का पैमाना मानती है। लेकिन शारदा ने इस अपमान का जवाब ऐसा दिया कि समाज की नींद उड़ गई। उन्होंने बुलंद आवाज में कहा, मुझे मेरा रंग पसंद है। मुझे इस पर गर्व है। यह जवाब सिर्फ उस शख्स के लिए नहीं था–यह हर उस सोच को चुनौती थी जो गोरे रंग को सुंदरता का ताज पहनाती है और सांवले रंग को अपमान की गहराई में धकेलती है। शारदा ने साफ कर दिया कि असली सुंदरता रंग में नहीं, आत्मविश्वास और प्रतिभा में बसती है। उनकी यह प्रतिक्रिया एक तूफान बन गई–जिसने समाज की चुप्पी को तोड़ा और रंगभेद के खिलाफ एक नई जंग की शुरूआत की। यह सवाल अब हर जुबान पर है–आखिर क्यों गोरे रंग को ही श्रेष्ठता का पर्याय माना जाता है? क्यों सांवले रंग को हीनता की नजर से देखा जाता है? शारदा मुरलीधरन की यह बेबाकी उन लाखों महिलाओं के लिए मशाल बन गई, जो अपने रंग-रूप के कारण खुद को कमतर समझती हैं। उनकी आवाज ने समाज को आईना दिखाया और बदलाव की एक उम्मीद जगाई। यह सिर्फ एक महिला की कहानी नहीं है–यह उस दर्द की पुकार है, जो हर सांवली लड़की ने कभी न कभी महसूस किया है। यह उस संघर्ष की गाथा है, जो हर उस इंसान ने जिया है,

(रंग का दाग: समाज की काली सच्चाई पर शारदा मुरलीधरन का करारा जवाब)

जिसे उसके रंग के कारण हाशिए पर धकेल दिया गया। भारतीय समाज में रंगभेद की जड़ें इतनी गहरी हैं कि वे हमारी संस्कृति का हिस्सा बन चुकी हैं। बचपन से ही बच्चों के दिमाग में यह बात ठूँस दी जाती है कि गोरा रंग ही सुंदरता का प्रतीक है। टेलीविजन पर विज्ञापन हों या फिल्मों के गीत–हर जगह गोरे रंग को महिमामंडित किया जाता है। फेयर एंड लवली जैसी क्रीम्स की बिक्री इस सोच को और हवा देती है। शादी-विवाह में यह भेदभाव अपने चरम पर पहुँच जाता है। गोरी बहू की माँग आज भी हर परिवार की पहली शर्त होती है। सांवले रंग की लड़कियों को न सिर्फ अपमान सहना पड़ता है, बल्कि उनके आत्मविश्वास को भी कुचल दिया जाता है। यह एक ऐसी सजा है, जो बिना जुर्म के दी जाती है। महिलाओं के लिए यह भेदभाव और भी क्रूर हो जाता है। चाहे वे कितना भी पढ़-लिख लें, कितना भी बड़ा मुकाम हासिल कर लें, उनकी पहचान उनके रंग से जोड़ दी जाती है। शारदा मुरलीधरन इसका सबसे बड़ा उदाहरण हैं। उन्होंने अपनी मेहनत और काबिलियत से एक ऊँचा पद हासिल किया, लेकिन समाज ने उनकी सफलता को उनके रंग के चश्मे से देखा। यह सिर्फ उनकी कहानी नहीं है–यह हर उस महिला की कहानी है, जिसे उसके रंग के कारण जज किया गया। यह उस मानसिकता का सबूत है, जो योग्यता को रंग के तराजू पर तौलती है। लेकिन शारदा ने इस सोच को ललकारा। उनकी प्रतिक्रिया ने समाज को झकझोर कर रख दिया। उन्होंने दिखाया कि रंग कोई बाधा नहीं है–यह तो एक पहचान है, जिसे गर्व से अपनाया जा सकता है। उनकी इस हिम्मत ने न सिर्फ रंगभेद के खिलाफ जंग छेड़ी, बल्कि समाज में सकारात्मक बदलाव की नींव भी रखी। सोशल मीडिया पर उनकी बात को जबरदस्त समर्थन मिला। हजारों महिलाओं ने अपने अनुभव साझा किए–कोई अपने बचपन के तानों को याद कर रो पड़ी, तो किसी ने शादी में रिजेक्शन की पीड़ा बयाँ की। यह एक सामूहिक आवाज बन गई, जो रंगभेद के खिलाफ खड़ी हो गई। सरकार की ओर से भी इस मुद्दे पर सकारात्मक प्रतिक्रिया मिली। लोग अब खुलकर इस पर बात करने लगे हैं–यह बदलाव की पहली किरण है। शारदा मुरलीधरन का यह साहस उन लाखों महिलाओं के लिए प्रेरणा है, जो अपने रंग-रूप को लेकर हीन भावना से जूझती हैं। उन्होंने साबित किया कि सुंदरता का असली मापदंड रंग नहीं, बल्कि आत्मविश्वास, मेहनत और व्यक्तित्व है। समाज को इस संकीर्ण सोच से बाहर निकलना होगा। गोरे रंग को श्रेष्ठता का तमगा देना बंद करना होगा। शिक्षा और जागरूकता ही इस बीमारी का इलाज है। स्कूलों में बच्चों को यह सिखाना होगा कि हर रंग खूबसूरत है। माता-पिता को अपनी बेटियों को यह भरोसा देना होगा कि उनकी कीमत उनके रंग से नहीं, उनकी काबिलियत से तय होती है। यह घटना इस बात का सबूत है कि समाज में बदलाव की शुरूआत हो चुकी है। लोग अब रंग-रूप से परे जाकर इंसान की योग्यता को महत्व देने लगे हैं। शारदा मुरलीधरन ने समाज को एक अनमोल सबक सिखाया–सफलता का कोई रंग नहीं होता। वह मेहनत की रोशनी से चमकती है, आत्मविश्वास की ताकत से खिलती है और काबिलियत के बल पर दुनिया को अपनी ओर मोड़ती है। उनका साहस और उनकी स्पष्टता आने वाली पीढ़ियों के लिए एक मिसाल है। यह एक ऐसी मशाल है, जो रंगभेद के अंधेरे को चीरकर आत्मसम्मान और समानता का उजाला फैलाएगी। शारदा की कहानी महज एक महिला की जीत नहीं है–यह हर उस इंसान का विजय गान है, जिसने अपने रंग के कारण अपमान के कांटे झेले, जिसकी आत्मा को रंगभेद की आग में जलाया गया। यह एक नई सुबह का आलोक है–वह सुबह, जहाँ रंग सिर्फ देह की सतह पर एक रेखा होगा, न कि इंसान की कीमत का वह क्रूर तराजू, जो सदियों से हमें तोलता आया है। अब समाज को नींद से जागना होगा, अपनी संकीर्ण सोच के बंधनों को तोड़ना होगा और यह गहरे तक मानना होगा कि असली सुंदरता रंग की परतों में नहीं, बल्कि दिल की गहराई में, दिमाग की उड़ान में और आत्मा की शक्ति में बसती है।

(नोट: इस लेख में ये दिए गए विचार लेखक के अपने विचार हैं)

भोपाल ननि कमिश्नर बैठक से गायब, फोन तक नहीं उठाया जनप्रतिनिधि नाराज, सांसद बोले- यह जनता का अपमान

भोपाल ■

भोपाल जिला विकास समन्वय एवं निगरानी समिति (दिशा) की बैठक की बैठक गुरुवार को आयोजित हुई। लेकिन हैरानी तब हुई जब सांसद आलोक शर्मा बैठक की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में अधिकारी ही नहीं पहुंचे। भोपाल नगर निगम से संबंधित मुद्दों पर बैठक में बातचीत होनी थी, लेकिन नगर निगम के ना तो आयुक्त हरेंद्र नारायण उपस्थित ही नहीं थे। इसके अलावा जल संसाधन विभाग के अधिकारी भी बैठक में शामिल नहीं थे। इस बात पर सांसद आलोक शर्मा ने जमकर नाराजगी जताई। उनको बताया गया कि आयुक्त किसी दूसरी बैठक के कारण नहीं उपस्थित हो सके। इस पर सांसद आलोक शर्मा ने कहा कि भोपाल में दूसरी बैठकें भी चलती रहेंगी।

नगर निगम का इतना बड़ा स्ट्रक्चर है। हमारे एडिशनल कमिश्नर, डिप्टी कमिश्नर

और अन्य दूसरे अधिकारी हैं। नगर निगम आयुक्त का आचरण निंदा की श्रेणी में आता है। ऐसे अधिकारी की निंदा होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि निंदा प्रस्ताव बैठक में रखना चाहिए। उन्होंने नगर निगम आयुक्त को बैठक से फोन भी लगाया, लेकिन उन्होंने फोन ही नहीं उठाया। उन्होंने कहा कि यदि कोई बैठक थी तो हमारी बैठक का समय बदल देते। बैठक के एजेंडे के अधिकांश बिंदु नगर निगम के हैं। बैठक में महापौर आई हैं।

... इससे घोर आपत्तिजनक और क्या हो सकता है

सांसद ने कहा कि जनप्रतिनिधियों के भी चार काम हैं, वह उनको छोड़ कर आए। आयुक्त फोन तक नहीं उठा रहे। महापौर का फोन नहीं उठा रहे। इससे ज्यादा घोर आपत्तिजनक और क्या हो सकता है। यह मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल है। मैं महापौर भी रहा हूं, अधिकारियों की कार्यप्रणाली भी जानता हूं। इस प्रकार के अधिकारियों की लापरवाही को बिल्कुल बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। यह जनप्रतिनिधियों का अपमान नहीं है। यह भोपाल की 35 लाख जनता का अपमान है। इसे बिल्कुल बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। नगर निगम का एक अधिकारी नहीं है तो फिर किससे बात करेंगे?

लोकसभा को छोड़कर आया हूं

सांसद आलोक शर्मा ने कहा कि गर्मी के बाद बरसात आने वाली है। बाढ़ से निपटने के लिए नालों का कैसे निर्माण हुआ है। मुख्यमंत्री शहरी अधोसंरचना में कितने काम हुए हैं। कितने कामों को स्वीकृति मिली है। कायाकल्प अभियान में सरकार ने पैसा दिया है, उसकी जानकारी जनप्रतिनिधियों को चाहिए। मुख्यमंत्री की मंशा है कि पूरे प्रदेश में संजीवनी क्लीनिक खुलें। यह मध्य प्रदेश की राजधानी है संजीवनी 102 स्थान पर बनाने के लिए राशि दी है। उनका कितना काम हुआ है। अमृत-2, सीवेज के काम की समीक्षा करना था। शर्मा ने कहा कि सांसद के नाते यह मेरी पहली बैठक थी। उन्होंने कहा कि लोकसभा चल रही है उसको छोड़कर मैं आया हूं। अधिकारियों का यह रवैया ठीक नहीं है।

सबनानी ने भी आपत्ति जताई

विधायक भगवानदास सबनानी ने भी बैठक में अधिकारियों की गैरमौजूदगी पर आपत्ति जताई और कहा कि हम भी अपने कामों को छोड़कर बैठक में आए थे, लेकिन इस तरह का बर्ताव ठीक नहीं है। बैठक में स्मार्ट सिटी, बिजली, स्वास्थ्य और शिक्षा जैसे अहम मुद्दों पर चर्चा होनी थी, लेकिन अधिकारियों की गैरमौजूदगी ने बैठक को प्रभावित किया।

पॉक्सो एक्ट की अनभिज्ञता से किशोर व युवा फंस रहे अपराध के दलदल में, हाईकोर्ट ने मांगा जवाब

जबलपुर ■

पॉक्सो एक्ट के संबंध में सार्वजनिक रूप से समुचित प्रचार-प्रसार नहीं किए जाने को चुनौती देते हुए हाईकोर्ट में जनहित याचिका दायर की गई थी। याचिका की सुनवाई के दौरान केंद्र सरकार की तरफ से जवाब पेश करने समय प्रदान करने का आग्रह किया गया। हाईकोर्ट ने अंतिम मोहलत प्रदान करते हुए दो सप्ताह का समय प्रदान किया गया। हाईकोर्ट चीफ जस्टिस सुरेश कुमार कैथ तथा जस्टिस विवेक जैन की युगलपीठ ने अपने आदेश में कहा है कि जवाब पेश नहीं करने पर दस-दस हजार रुपये की कॉस्ट केन्द्र सरकार के संबंधित विभाग को जमा करनी होगी।

जानकारी के अनुसार जबलपुर निवासी अधिवक्ता अमिताभ गुप्ता की तरफ से दायर याचिका में कहा गया था कि यौन अपराधों से बच्चों के संरक्षण (पॉक्सो) अधिनियम 2012 की धारा 43 में निहित वैधानिक प्रावधानों का परिपालन सुनिश्चित रूप किए जाने का प्रावधान है। पॉक्सो अधिनियम के प्रावधानों के बारे में सार्वजनिक जागरूकता के लिए राज्य की जिम्मेदारी सुनिश्चित की गई है। अधिनियम के प्रावधानों के लागू होने के बाद से केंद्र और राज्य सरकारों ने अधिनियम के प्रावधानों, विशेष रूप से कड़ी सजा के बारे में जागरूकता फैलाने के लिए कोई उल्लेखनीय प्रयास नहीं कर रहे हैं। अधिनियम में निहित कानूनी अनिवार्यताओं के बारे में उनकी अज्ञानता के कारण अधिनियम के कठोर दंडात्मक प्रावधान के दायरे में आकर युवाओं का भविष्य बर्बाद हो रहा है। कठोर दंडात्मक प्रावधान से अनभिज्ञ कई किशोर व युवा अपराध के दलदल में फंसते चले जा रहे हैं।

सी.एम. राईज सेंधवा में मनाया कैरियर गाइडेंस सप्ताह

सेंधवा (निर्मला वर्मा)। शहर की सी.एम. राईज विद्यालय में शासन की योजना अनुसार कैरियर गाइडेंस सप्ताह अंतर्गत आज समस्त कक्षा 9 वी से 12 वी के विद्यार्थियों को कैरियर में सफलता हेतु मार्गदर्शन के लिए शहर के पुलिस थाना से एसडीओपी श्री अजय वाघमारे जी एवं शहर थाना निरीक्षक बलवंत सिंह बिसेन जी को आमंत्रित किया गया। जिसमे एसडीओपी सर द्वारा छात्राओ को कैरियर में सफलता हेतु कौन- कौन सी बातो का ध्यान रखना चाहिए बताया गया। और साथ ही शहर थाना निरीक्षक श्री बिसेन जी द्वारा छात्राओ को साइबर अपराध , नारी सशक्तिकरण एवं डिजिटल अरेस्ट जैसे विषय पर महत्वपूर्ण जानकारी डी गई कार्यक्रम में विद्यालय की समस्त छात्राए एवं समस्त सीएम राइज विद्यालय परिवार उपस्थित रहो स्वागत भाषण संस्था प्राचार्य श्री आशीष कुमार श्रीवास जी द्वारा दिया गया। संचालन श्री अनीस शेख द्वारा किया गया।

घर के मुख्या का अगर निधन हो जाता है तो मुख्यमंत्री जनकल्याण योजना देती है परिवार को बड़ी राहत

सेंधवा (निर्मला वर्मा)। घर के मुख्या का अगर निधन हो जाता है तो परिवार पर मुसीबत का पहाड़ गिर जाता है। पूरा परिवार पर दुखी होकर भविष्य की चिंता सताने लगती है। ऐसे में कोई छोटी सी मदद भी परिवार को पुनः स्थापित करने में करने में बड़ी राहत प्रदान करती है। ऐसे में मुख्यमंत्री जनकल्याण (संबल) योजना परिवार को बड़ी राहत देती है। इस लिए मैने नपा कर्मचारियों को निर्देशित किया है कि अधिक से अधिक प्रकरण बनाकर सरकार को भेज योजना का लाभ दिलाए। युक्त बात नपा अध्यक्ष बसंती बाई यादव ने मुख्यमंत्री जनकल्याण संबल योजना के भोपाल से मुख्यमंत्री द्वारा वन क्लिक सीधा प्रसारण के कार्यक्रम के दौरान नपा सभागार में दोपहर दाई बजे व्यक्त किए। इस दौरान संबल योजना के तहत 23 परिवार को प्रकरण स्वीकृत पत्र सौंप कर राशि सीधे खाते में जमा कराई।

नपा से प्राप्त जानकारी के अनुसार राज्य सरकार द्वारा मुख्यमंत्री जनकल्याण संबल योजना के तहत कार्यक्रम आयोजित कर सिंगर क्लिक के माध्यम से 23162 परिवार को अनु 505 करोड़ की अनुग्रह सहायता राशि प्रदान की गई। जिसमें सेंधवा नपा के 23 प्रकरण को स्वीकृति प्रदान कर 50 लाख की सहायता प्रदान की गई जिसमें 2 हितग्राही को दुर्घटना में मृत्यु होने पर 4 लाख की राशि प्रदान की गई शेष 21 हितग्राही को दो दो लाख की सहायता प्रदान की गई। सीएमओ मधु चौधरी ने बताया कि मुख्यमंत्री जनकल्याण संबल योजना के अंतर्गत नपा द्वारा 65 प्रकरण बनाकर भेजे गए थे। जिसमें सरकार द्वारा 23 प्रकरणों की राशि शुक्रवार को सिंघल क्लिक के माध्यम से हितग्राही के सीधे खाते में जमा कराई गई है। शेष 42 प्रकरण की राशि भी शीघ्र आने की संभावना है नपा द्वारा जो प्रकरण सामने आता हैं उसे तत्काल फाइल बनाकर सरकार को भेज दी जाती है ताकि योजना का लाभ शीघ्र मिल सके। उपाध्यक्ष मोहन जोशी ने कहा कि सरकार की संबल योजना पीड़ित व आर्थिक रूप से कमजोर परिवार के लिए संबल का ही काम कर रही है। यह योजना से परिवार को बड़ी मदद मिल जाती है। नपा अध्यक्ष यादव ने इस योजना पर व्यक्तिगत रुचि लेकर अधिक से अधिक लोगों को सहायता देने हेतु प्रयास किया जा रहा है। कार्यक्रम संचालन प्रवक्ता सुनील अग्रवाल ने किया। इस दौरान पार्षद छोटू चौधरी, गणेश राठौड़, प्रकाश निकुम, कालू सावले, इलामुद्दीन शेख, शकील मंसूरी, ललिता शर्मा, सचिन शर्मा, अखिलेश पवार, सीएमओ मधु चौधरी उपयंत्री सचिन अलुने विशाल जोशी, अमित जाधव, निलेश पालीवाल मौजूद थे।

23 लोगो को मिली अनुग्रह सहायता राशि

संबल योजना के तहत 23 हितग्राही को मिली अनुग्रह सहायता राशि जिसमें आशाबाई व सुनीता जगदीश को दुर्घटना में मृत्यु होने पर 4 लाख की सहायता राशि मिली वही मोहन शर्मा, सुमित सतीश शर्मा, चिंटू कालू, रेहाना बी नईम, बसंता देवीदास, अहमद, इकबाल, जुगल हरिकृष्ण, कमल निरगुडे, रणजीत भीमराव, नसीम मकसूद, सुनील कालू, शंकु वाडिले, दिलीप नारायण, राजेंद्रसिंह बिहारीसिंग, मनोरमा सोनी, बेबीबाई यादव, देवीदास वाडिले, जरीना रफीक, सुनील नाना, उमेश महेश की साधारण मृत्यु पर दो दो लाख की सहायता राशि प्रदान की गई।

एमपी में चलने लगी लू, 41 पार पहुंचा पारा

भोपाल। मध्यप्रदेश में मौसम में बदलाव हो रहा है। गुरुवार को तापमान 41 डिग्री से पार जा पहुंचा, कई जगहों पर गर्मी के कारण लोग परेशान हुए। शिवपुरी में अधिकतम तापमान 40.2 डिग्री पर पहुंचा जिससे हीट वेव चली। छतरपुर के खजुराहो में गुरुवार को अधिकतम तापमान 41.4 डिग्री दर्ज किया गया। इधर शुक्रवार को आंशिक राहत मिली और अधिकांश जगहों पर पारा नीचे आया। मौसम विभाग के अनुसार अगले दो दिनों तक मौसम का मिजाज यूं ही नरम बने रहने का अनुमान है। मध्यप्रदेश में पिछले 3 दिनों में तापमान में जोरदार बढ़ोतरी हुई है। मौसम विज्ञानियों के मुताबिक पश्चिम और दक्षिण-पश्चिम की गर्म हवाओं के कारण यह गरमी आई है। इसका सबसे ज्यादा असर निवाड़ी के पृथ्वीपुर, शिवपुरी और छतरपुर के खजुराहो में नजर आया।

सी.एम.राईज विद्यालय सेंधवा में लाटरी द्वारा कक्षा के.जी-1 का चयन

सेंधवा (निर्मला वर्मा)। संस्था सी एम राईज विद्यालय सेंधवा में सत्र 2025-26 में कक्षा के.जी-1 के विद्यार्थी का 28/03/2025 को लॉटरी के माध्यम से पालको की उपस्तिथि में किया गया उक्त प्रक्रिया के लिए प्रवेश फार्म दिनांक 11/03/2025 से वितरित करना प्रारम्भ हुए जिसमे 70 आवेदन वितरित हुए दिनांक 25/03/2025 तक 59 आवेदन संस्था को प्राप्त हुए लॉटरी अपरांत 30 विद्यार्थी का चयन हुआ 5 अन्य विद्यार्थी को प्रतीक्षा सूचि में रखा गया है। संस्था प्राचार्य श्री आशिष श्रीवास एवं प्रधानपाठक श्रीमती शमीर्ला द्वारा चयनित विद्यार्थी व उनके पालको की अभिनन्दन कर हर्ष व्यक्त किया गया एव नवीन कक्षाओ का संचालन 2 अप्रैल से होगा।

डॉ भीमराव आंबेडकर की प्रतिमा अनावरण के लिए केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल खट्टर को आमंत्रण दिया

सेंधवा (निर्मला वर्मा)। डॉ भीमराव आंबेडकर की प्रतिमा के अनावरण के लिए अनुसूचित जनजाति आयोग राष्ट्रीय अध्यक्ष ने बिजली मंत्री और आवास और शहरी केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल खट्टर से मिलकर सेंधवा आने का निमंत्रण दिया। मंत्री खट्टर ने कहा अप्रैल या मई माह में जब भी मेरा मप्र का दौरा कार्यक्रम बना में सेंधवा आऊंगा।

भाजपा प्रवक्ता सुनील अग्रवाल ने बताया कि पुराने बस स्टैंड पर आंबेडकर कालोनी के पास डॉ भीमराव आंबेडकर की प्रतिमा स्थापित की जा रही है। इसके लिए प्रतिमा भी आ गई है। जो डॉ आंबेडकर जयंती से पहले स्थापित हो जावेगी। प्रतिमा के अनावरण हेतु नपा अध्यक्ष बसंती बाई यादव ने केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल खट्टर आमंत्रण दिया है इसके संदर्भ में अनुसूचित जनजाति आयोग राष्ट्रीय अध्यक्ष अंतरसिंह आर्य ने दिल्ली में केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल खट्टर से उनके निवास पर जाकर मुलाकात कर सेंधवा आकर डॉ भीमराव आंबेडकर की प्रतिमा का अनावरण व पुराने बस स्टैंड चौराहे का नामांकन डॉ भीमराव आंबेडकर चौराहे करने हेतु आमंत्रित किया है। आर्य ने उन्हें बताया कि सेंधवा शहर इंदौर से 150 किलो मीटर की दूरी पर स्थापित होकर तीन घंटे का समय वाहन से लगता है आप सेंधवा पधार कर संविधान निमार्ता महापुरुष डॉ भीमराव आंबेडकर जी की प्रतिमा का अनावरण करे यह इच्छा नपा अध्यक्ष यादव व सेंधवा की जनता की है। वे इस माध्यम से आपसे मुलाकात व आपके विचारों से रूबरू होना चाहते है। केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल खट्टर ने कहा कि मैं सेंधवा जरूल आऊंगा। जब भी मेरा मप्र का दौरा होगा में सेंधवा आऊंगा अप्रैल या मई माह में मेरा कार्यक्रम बन सकता है। मैं आपको सूचित कर दूंगा।

तहसीलदार-पटवारी समेत 10 के खिलाफ जांच के आदेश..

सीधी ■

मध्यप्रदेश के सीधी में कोर्ट ने तहसीलदार-पटवारी समेत 10 लोगों के खिलाफ जांच के आदेश पुलिस को दिए हैं। ये मामला शहर के एक बड़े शॉपिंग मॉल के निर्माण से जुड़ा है। आरोप है कि शॉपिंग के निर्माण की जद में आ रहे एक मकान के लोगों को बेघर करने की कोशिश की गई। जिन लोगों के खिलाफ जांच के आदेश दिए गए हैं उनमें व्यापारी भी शामिल हैं। प्रशासनिक अधिकारियों और व्यापारियों से परेशान परिवार ने कोर्ट में अपील की थी।

सीधी जिला कोर्ट में एक परिवार ने अपील दायर की थी। जिसमें परिवार ने बताया कि वो सालों से सम्राट चौक के पास उनका मकान है

जिसमें वो रह रहे हैं। अब वहां पर एक बड़ा शॉपिंग कॉम्प्लेक्स बनाया जा रहा है जिसकी जद में उनका मकान आ रहा है। तरह तरह के हथकंडे अपनाकर उनसे उनका घर छीनकर उन्हें बेघर करने की कोशिश की जा रही है। परिवार के साथ झगड़े भी किए गए। इस मामले में राजस्व विभाग के तहसीलदार और पटवारी के अलावा कई बड़े व्यापारी भी शामिल थे। कोर्ट ने मामले पर सुनवाई करते हुए सिटी कोतवाली पुलिस को जांच करने के आदेश दिए हैं।

आखिर दुनियांभर में क्यों बढ़ रही बहाई धर्म के अनुयायी ?

इन्सान के जीवन की सबसे बड़ी खोज में से धर्म एक है जिसके जरिये जीवन को जीने और परस्पर सहयोग समेत जीवन के अनेकों पहलुओं को समझने और आगे बढ़ना सिखाया जाता है। पर सभी धर्म के अनुयायी एक दूसरें से अपने धर्म को श्रेष्ठ मानतें है। जबकि इन्सान और इंसानियत ही सबसे बड़ी आवश्यकता इस धरती पर है। दुनियां का सबसे नवीनतम धर्म जिसे हम सभी बहाई धर्म के नाम से जानते है एक नयी और आधुनिक विचारधारा के साथ सामने आया है बहाई धर्म 19वीं सदी में ईरान में स्थापित एक स्वतंत्र धर्म है, जिसकी स्थापना मिर्जा हुसैन अली नूरी, जिन्हें बहाउल्लाह के नाम से जाना जाता है, ने की थी। यह धर्म आज दुनियां के लगभग सभी देशों में मौजूद है और इसके अनुयायी आपको मिल जायेगे।

डॉ. अजय कुमार मिश्रा
(लेखक)
ग्लोबल हेराल्ड

यह धर्म एक ईश्वर में विश्वास करता है और इसकी मूल मान्यताओं के अनुसार मानवता एक है और दुनियां के सभी धर्म एक ही ईश्वर से उत्पन्न हुए है जिनका उद्देश्य समय-समय पर मानवता का विकास करना रहा है। इस धर्म का मानना है की एक सर्वशक्तिमान ईश्वर ही इस दुनियां का मुख्य स्रोत है इस धर्म के अनुसार दुनिया के प्रमुख धर्म हिन्दू धर्म, इस्लाम धर्म, इसाई धर्म, बौद्ध धर्म सभी के जनक एक ही ईश्वर है और मानवता के विकास के लिए उनके दूत के रूप में समाज को नई दिशा देने के लिए महान लोगों का इस धरती पर जन्म हुआ। इस धर्म का विश्वास है की धरती के सभी मनुष्य एक समान है इनमे किसी भी आधार पर किसी तरह का भेद-भाव नहीं होना चाहिए। इस धर्म की यह भी मान्यता है की बिना किसी के प्रभाव में आये सभी लोगों को सत्य की खोज स्वयं करना चाहिए। शिक्षा और विज्ञान व आध्यात्मिकता का समन्वय की अनिवार्यता पर यह विशेष बल देता है। इस धर्म की सबसे बड़ी विशेषता यह है की इस धर्म का मुख्य लक्ष्य विश्व शांति स्थापित करना है तथा शांति और न्याय इसका मजबूत आधार है। सादगी और अनुकूलनशीलता पर भी यह बल देता है। आज दुनियांभर में बहाई धर्म के अनुयायी आपको देखने को मिल जायेगे जिनकी संख्या लगभग 8 मिलियन के करीब है दिल्ली में स्थित लोटस टेम्पल इसी धर्म की देन है। इसका मुख्य केंद्र हाइफा, इजराइल में विद्यमान है। यह धर्म खासकर उन लोगों के बीच लोकप्रिय है जो शांति और एकता के संदेश से जुड़ाव महसूस करते हैं। अब प्रश्न यह भी उठता है की यह धर्म पहले से चल रहे अनेकों धर्म के होते हुए भी इसकी स्वीकार्यता क्यों बढ़ रही है इसके पीछे का कारण यह है - इस धर्म की मान्यता के अनुसार सभी प्रमुख धर्म ईश्वर से ही उत्पन्न हुए है और उन धर्मों के संस्थापक ईश्वर के दूत रहें है जिनका मुख्य उद्देश्य मानव को समयानुसार सही मार्ग प्रसस्त करना रहा है जबकि इस धर्म के पूर्व के कई धर्म अपने को एकमात्र सत्य या अंतिम सत्य के रूप में प्रस्तुत करते

हैं। एक तरफ जहाँ बहाई धर्म आधुनिक सामाजिक मुद्दों जैसे लैंगिक समानता, शिक्षा का अधिकार, गरीबी उन्मूलन और विश्व शांति पर जोर देता है और यह विज्ञान और धर्म के बीच सामंजस्य को बढ़ावा देता है वही अन्य धर्म कई पारंपरिक धर्मों में सामाजिक नियम प्राचीन संदर्भों पर आधारित हैं और आधुनिकता के साथ उनका समन्वय समय के साथ व्याख्या के माध्यम से हुआ है। यह धर्म व्यक्तिगत रूप से ईश्वर से संबंध स्थापित करने पर जोर दिया जाता है। इस धर्म के शुरूआत से ही इसे एक वैश्विक धर्म के रूप में प्रस्तुत किया गया है, जो मानवता की एकता और विश्व सरकार जैसी अवधारणाओं को बढ़ावा देता है। इसका लक्ष्य एक ऐसी दुनिया बनाना है जहां राष्ट्र, संस्कृतियाँ और लोग एकजुट हों जबकि कई धर्मों की शुरूआत स्थानीय या क्षेत्रीय संदर्भ में हुई और बाद में वे वैश्विक हुए। इसमें जटिल अनुष्ठान, मूर्तिपूजा या धार्मिक प्रतीकों का व्यापक अभाव है। प्रार्थना, ध्यान और सामुदायिक सभाएँ (19-दिवसीय भोज) इसकी मुख्य प्रथाएँ हैं और अन्य धर्मो से यह अधिक लचीला भी है। यह धर्म स्वयं को मानव इतिहास के वर्तमान युग के लिए एक नया धर्म मानता है, जो पिछले धर्मों को पूर्ण करने के बजाय उनके संदेश को आगे बढ़ाता है जबकि अधिकांश धर्म प्राचीन हैं और अपनी उत्पत्ति को हजारों साल पुरानी परंपराओं से जोड़ते हैं। सबसे खास बात इस धर्म की यह है की इस धर्म में शराब और नशीले पदार्थों का सेवन पूरी तरह निषिद्ध है, जो इसे कुछ अन्य धर्मों से अलग करता है जहां यह व्यक्तिगत पसंद पर निर्भर करता है। यदि देखा जाय तो बहाई धर्म अन्य धर्मों से मुख्य रूप से अपनी समावेशी प्रकृति, आधुनिकता के प्रति झुकाव, और वैश्विक एकता के संदेश के कारण यह अलग धर्म है। यही मुख्य वजह भी है की अनेकों प्रमुख धर्मो के होते हुए भी लोगों ने तेजी से इस धर्म को स्वीकार किया है। यह एक ऐसा धर्म है जो न तो किसी एक धर्म का सुधार है और न ही उसका विरोध करता है, बल्कि सभी को एक व्यापक ईश्वरीय योजना का हिस्सा मानता है। परिणाम स्वरुप यह आसानी से लोगों को प्रभावित भी कर रहा है। बहाई धर्म के अनुयायी रोज प्रार्थना करते हैं, जिसमें बहाउल्लाह द्वारा लिखित प्रार्थनाएँ शामिल हैं। साल में 19 दिनों का उपवास (2 मार्च से 20 मार्च तक) रखते हैं। बहाई मंदिर (जिन्हें ₹मशरिकुल-अजकार₹ कहा जाता है) सभी धर्मों के लोगों के लिए खुले होते हैं। शराब और नशीले पदार्थों का सेवन इस धर्म में निषिद्ध है। यह धर्म अपनी उत्पत्ति के पश्चात से ही वैश्विक एकता और मानवता में भेद-भाव को न करने के कारण दुनियाभर में तेजी से इसके अनुयायी जुड़ रहें है। एक तरफ जहाँ मौजूदा कई धर्मो के होने के बावजूद इस धर्म ने अपने कम समय में अपने अनुयायी की संख्या में वृद्धि किया है वही इस धर्म के उद्देश्य निसंदेह मानवता के विकास के लिए समर्पित है। इस धर्म की खास पहचान यह भी है की सभी धर्मों को यह एक ही ईश्वर से निकला हुआ मानता है और जिसका उद्देश्य मानव का कल्याण करना है। समय और ज्ञान में वृद्धि के साथ-साथ इस धर्म के अनुयायियों की संख्या में वृद्धि होना स्वाभाविक है। धर्म के आधार पर नफरत और भेदभाव करने वाले सभी लोगों को इस धर्म से मानव में समानता और वैश्विक एकता की स्वीकार्यता को जरुर सीखना चाहिए जिससे मानव जीवन की अधिकांश समस्याओं का समाधान हो जायेगा। अपनी खास बातों और प्रभावशाली कार्यों के आधार पर यह कहा जा सकता है की भविष्य में इस धर्म के अनुयायियों की संख्या में दुनियां भर में व्यापक वृद्धि हो सकती है। सबसे खास बात इस धर्म की यह भी है की यह धर्म किसी भी धर्म का प्रतियोगी नहीं है। इन्ही कारणों से कई प्रमुख धर्मों के रहने के बावजूद इस धर्म को लोग स्वीकार कर रहें है और यदि देखा जाए तो यह धर्म आधुनिकता और परम्परागत ढंग से चल रहे धर्मों से अलग भी है जिसका मुख्य उद्देश्य सभी धर्मों की तरह मानव कल्याण करना है पर किसी भी धर्म की यह उपेक्षा नहीं करता है। यही कारण है की इस धर्म की लोकप्रियता में तेजी से इजाफा हो रहा है।

(नोट: इस लेख में ये दिए गए विचार लेखक के अपने विचार हैं)

सम्पादकीय

संस्कार की कमी से बढ़ते हैं तलाक के मामले

संजय गोस्वामी
लेखक
ग्लोबल हेराल्ड

आजकल कुछ लेख पढ़ा जो बढ़ते तलाक के मामले पर था अपनी विशाल संस्कृति, पारंपरिक मूल्यों और समृद्धि की ऊंचाइयों के लिए मशहूर भारतीय समाज में तला के मामलों में बढ़ोतरी देखी जा रही है। आपको जानकर हैरानी होगी कि पिछले कुछ सालों में भारत में तलाक के मामलों की संख्या में 50 से 60% की बढ़ोतरी हुई है। ऐसा नहीं है कि ये सभी मामले सिर्फ बड़े शहरों से हैं। मथुरा, हापुड़ और झज्जर जैसे छोटे शहर भी इन आंकड़ों में बराबर का योगदान दे रहे हैं। लेकिन अच्छी खबर यह है कि 50 से 60% की पर्याप्त वृद्धि के बाद भी भारत में तलाक की दर केवल 11% है और यह प्रतिशत अभी भी अन्य देशों की तुलना में कम है। संयुक्त राज्य अमेरिका जैसे विकसित और प्रगतिशील देशों में तला की दर 55%, स्वीडन में 55%, रूस, यूनाइटेड किंगडम ऑफ ग्रेट ब्रिटेन और उत्तरी आयरलैंड में 43% और जर्मनी में 40% है। इससे पता चलता है कि रिश्तों को बनाए रखने के मामले में भारत का प्रदर्शन तुलनात्मक रूप से काफी बेहतर है। लेकिन सिर्फ इसलिए कि यहां तलाक कम हो रहे हैं, इसका मतलब यह नहीं है कि यहां के लोग अपने रिश्तों से खुश हैं। इसके पीछे कई अन्य कारण भी हो सकते हैं। हमारे देश में सामाजिक, सांस्कृतिक और नैतिक मूल्यों का बोलबाला है। भारतीयों के लिए अलगाव या तलाक कभी भी आसान बात नहीं रही, इसे पुरुष या महिला के चरित्र पर एक काला धब्बा माना जाता है। अन्य देशों की तरह यहां रिश्ते केवल शारीरिक आकर्षण के आधार पर नहीं बनते।इसके अलावा हिंदू धर्म तलाक शब्द को नहीं जानता।हिंदू धर्म में विवाह एक पवित्र और अनमोल रिश्ता है जिसे केवल एक जन्म के लिए नहीं बल्कि सात जन्मों के लिए माना जाता है।इसके अलावा कई अन्य कारक भी हैं जिनमें आर्थिक और भावनात्मक निर्भरता, सामाजिक और पारिवारिक दबाव शामिल हैं। अगर बच्चे की जिम्मेदारी है तो अलगाव और भी मुश्किल हो जाता है।इस विस्तृत चर्चा में तला के मामलों में वृद्धि के पीछे क्या कारण हो सकते हैं, इस पर गंभीरता से विचार किया गया जिसमें सबसे बड़ा तर्क ऐ निकला जो संस्कार है और विचार का सही तालमेल ना होना इसलिए शादी को गंभीरता से लें नहीं तो शादी ना करें यदि आप किसी अध्यात्मिक देवता को पूजते हैं तो ऐ कोई जरुरी नहीं की वो भी पूजे ,। सामाजिक परिवर्तन से आधुनिक युग में सामाज में परिवर्तन भी हो रहा है जिसका सीधा असर विवाह और तलाक पर पड़ता है। पुरानी रूढ़िवादी विचारधारा से बाहर निकलने के दबाव, महिलाओं की आत्मनिर्भरता और व्यक्तिगत स्वतंत्रता की मांग में वृद्धि के साथ ही स्थिर संबंध बनाए रखना मुश्किल होता जा रहा है। आधुनिक समाज में हो रहे परिवर्तन विभिन्न क्षेत्रों में शोध और प्रक्रिया को प्रेरित कर रहे हैं। युवा पीढ़ी आत्म-स्वतंत्रता के महत्व को समझ रही है और इसलिए स्थिर संबंधों को बनाए रखने के बारे में अधिक चिंतित हो रही है। यह इच्छा अक्सर उन्हें अपने जीवनसाथी से अधिक मानवाधिकारों और अधिकारों की मांग करने के लिए प्रेरित करती है, जो तला का कारण बन सकती है।। महिलाएं स्वतंत्र हो रही हैं आज की युवा पीढ़ी व्यक्तिगत स्वतंत्रता के महत्व को समझती है और अपने जीवन को अपने रास्ते पर ले जाना चाहती है। इसलिए, व्यक्तिगत स्वतंत्रता के आदर्शों के लिए लड़ते हुए, वे अपने जीवनसाथी से अधिक मानवाधिकारों और अधिकारों की मांग कर रहे हैं। यह अक्सर रिश्ते की स्थिति को कठिन बना देता है, जिससे तलाक का खतरा होता है। पहले, पुरुष ही एकमात्र व्यक्ति था जो पूरे परिवार के लिए रोटी कमाने जाता था और महिला घर पर रहती थी, इसलिए वह बाकी दुनिया से अलग-थलग थी। इससे उनके पतियों पर उनकी आर्थिक और भावनात्मक निर्भरता भी बढ़ गई।

म्यांमार -थाईलैंड समेत हिल गई कई देशों की दुनिया !

डॉ श्रीगोपाल नारसन | लेखक

ग्लोबल हेराल्ड

म्यांमार और थाईलैंड में दोपहर के समय आए भयंकर भूकंप को रिक्टर पैमान पर 7.9 की तीव्रता का नापा गया है। इतने तेज भूकंप के कारण दोनों ही देशों में भारी तबाही हुई है। इन देशों की विशाल इमारतें और पुल ढह गए और भारी जान माल का नुकसान हुआ।थाईलैंड के प्रधानमंत्री शिनवात्रा ने बैंकाक के अंदर आपातकाल की घोषणा की है। इस भूकंप का केंद्र म्यांमार बताया गया है। जिसका भारी प्रभाव थाईलैंड तक हुआ है। बैंकाक में विशाल इमारत के ढहने से उसमें 43 लोग फंस गए हैं। आपातकालीन सेवाओं में जुटे कर्मियों का कहना है कि बैंकाक के चाटूचाक पार्क की इस इमारत के अंदर 50 लोग मौजूद थे। इस भूकंप की वजह से बैंकाक में अभी तक एक व्यक्ति के मरने की पुष्टि हो गई है, जबकि 50 लोग घायल हैं। म्यांमार में भी भारी तबाही हुई है। वहां मौजूद लोग चीखते-चिल्लाते हुए भागते नजर आ रहे हैं। बैंकॉक के चटुचक मार्केटह्न के पास स्थित घटनास्थल पर राहत एवं बचाव का कार्य किया जा रहा हैं । बैंकॉक में 7.9 तीव्रता के शक्तिशाली भूकंप से इमारतें हिलने लगीं थी। अमेरिकी भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण और जर्मनी के जीएफजेड भूविज्ञान केंद्र ने बताया कि दोपहर को यह भूकंप 10 किलोमीटर की गहराई पर आया था, जिसका केंद्र म्यांमार में था। ग्रेटर बैंकॉक क्षेत्र की आबादी 170 लाख से अधिक है, जिनमें से कई लोग ऊंची इमारतों वाले अपार्टमेंट में रहते हैं।

दोपहर करीब डेढ़ बजे भूकंप आने पर इमारतों में अलार्म बजने लगे और घनी आबादी वाले मध्य बैंकॉक की ऊंची इमारतों एवं होटल से लोगों को बाहर निकाला गया। भूकंप इतना शक्तिशाली था कि कुछ ऊंची इमारतों के अंदरूनी हिस्सों में स्वीमिंग पूल में पानी में लहरें उठती दिखीं। भूकंप का केंद्र मध्य म्यांमार में था, जो मोनीवा शहर से लगभग 50 किलोमीटर पूर्व में है। थाईलैंड की राजधानी बैंकॉक में भी भूकंप के झटके महसूस किए गए जहां सैंकड़ो लोग इमारतों से बाहर निकल आए। हालांकि जर्मन रिसर्च सेंटर फॉर जियोसाइंसेज ने बताया कि म्यांमार में 6.9 तीव्रता का भूकंप आया। भूकंप का केंद्र मंडाले शहर के पास 10 किमी की गहराई पर था। म्यांमार दुनिया के सबसे भूकंपीय रूप से सक्रिय क्षेत्रों में से एक माना जाता है। भारत के पूर्वोत्तर राज्यों मणिपुर, अरुणाचल प्रदेश, असम और नागालैंड राज्यों में आज आए भूकंप से लोग अपने-अपने घरों से बाहर निकल आए। वही दिल्ली व उसके आसपास के क्षेत्र में विगत 17 फरवरी की सुबह भूकंप के जोरदार झटके महसूस किए गए थे,जिसमे कई सेकंड तक धरती डोलती रही थी। राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र के मुताबिक रिक्टर स्केल पर भूकंप की तीव्रता 4.0 मापी गई थी, इसका केंद्र दिल्ली के पास ही धरती से 5 किलोमीटर की गहराई में था। इसीलिए तेज झटके महसूस हुए। कुछ सेकंड तक चलने वाले भूकंप के झटके इतने तेज थे कि इमारतों के अंदर जोरदार कंपन महसूस हुआ। भूकंप सुबह 5 बजकर 36 मिनट पर आया था, जिससे लोगों की नींद उड़ गई थी।

भूकंप के झटके दिल्ली-एनसीआर भूकंपीय क्षेत्र 4 में आता है, जिससे यहां मध्यम से तीव्र भूकंप आने का खतरा रहता है। समय-समय पर दिल्ली एनसीआर में भूकंप के झटके महसूस होते रहते हैं, लेकिन इस तीव्रता के झटके बहुत समय बाद महसूस किए गए हैं। उत्तराखंड समेत नेपाल और भारत के अन्य क्षेत्रों में धरती बार बार डोलने लगती है। भूकंप के तेज झटकों से लोग दहशत में आ जाते है।सन 2022 में आए भूकंप के झटके इतने तेज थे कि गहरी नींद में सोए लोग हड़बड़ाहट में उठे और घरों से बाहर की ओर भागे थे।उस समय उत्तराखंड में भूकंप की तीव्रता रिक्टर स्केल पर 6.5 मापी गई थी। दिल्ली के साथ ही नोएडा और गुरुग्राम में भी कई सेकेंड तक भीषण झटके महसूस किए गए। इसके कारण लोग उठ गए और कई लोग अपनी सोसायटी में बाहर निकल आए।ऐसा लगा कि बेड को कोई बहुत तेज धक्का मार रहा है। इस दौरान घर के फैन और झूमर भी भूकंप के असर के कारण तेजी से हिलने लगे।भूकंप पृथ्वी की सतह के हिलने को कहते हैं। यह पृथ्वी के स्थलमण्डल में ऊर्जा के अचानक मुक्त हो जाने के कारण उत्पन्न होने वाली भूकम्पीय तरंगों की वजह से होता है। भूकम्प बहुत हिंसात्मक हो सकते हैं और कुछ ही क्षणों में लोगों को गिराकर चोट पहुँचाने से लेकर पूरी आबादी को ध्वस्त कर सकने की इसमें क्षमता होती है।भूकंप का मापन भूकम्पमापी यंत्र से किया जाता है, जिसे सीस्मोग्राफ कहते है। 3 या उस से कम रिक्टर परिमाण की तीव्रता का भूकंप अक्सर अगोचर होता है, जबकि 7 रिक्टर की तीव्रता का भूकंप बड़े क्षेत्रों में गंभीर क्षति का कारण बन जाता है।भूकंप के झटकों की तीव्रता का मापन मरकैली पैमाने पर किया जाता है।पृथ्वी की सतह पर, भूकंप अपने आप को, भूमि को हिलाकर या विस्थापित कर के प्रकट करता है। जब एक बड़ा भूकंप उपरिकेंद्र अपतटीय स्थिति में होता है, यह समुद्र के किनारे पर पर्याप्त मात्रा में विस्थापन का कारण बनता है। भूकंप के झटके कभी-कभी भूस्खलन और ज्वालामुखी को भी पैदा कर सकते हैं। भूकंप अक्सर भूगर्भीय दोषों के कारण आते हैं।पिछले साल यानि सन 2021 में 11 सितंबर को जोशीमठ से 31 किलोमीटर पश्चिम दक्षिण पश्चिम में सुबह 5:58 बजे भूकंप के झटके महसूस किए गए थे। इस भूकंप की रिक्टर स्केल पर तीव्रता 4.6 थी। उत्तराखंड में इस भूकंप का प्रभाव चमोली, पौड़ी, अल्मोड़ा आदि जिलों में रहा था।इससे पूर्व 24 जुलाई सन 2021को उत्तरकाशी से 23 किलोमीटर दूर करीब 1 बजकर 28 मिनट पर भूकंप आया था। इस भूकंप की तीव्रता रिक्टर पैमाने पर 3.4 मापी गई थी। जिला मुख्यालय उत्तरकाशी के साथ डुंडा, मनेरी, मानपुर, चिन्यालीसौड़, बड़कोट, पुरोला व मोरी से भी भूकंप के झटके महसूस किये गए थे। हरिद्वार जिले में वर्ष 2020 में एक दिसम्बर को नौ बजकर 42 मिनट पर भूकंप के झटके महसूस किए गए थे। रिक्टर पैमाने पर इसकी तीव्रता 3.9 मैग्नीट्यड मापी गई थी, जिसकी गहराई लगभग 10 किलोमीटर तक थी। इस भूकंप से कोई क्षति तो नही हुई थी।लेकिन यह भूकंप भविष्य में किसी बड़े भूकंप का संकेत अवश्य माना गया था।उत्तराखंड भूकंप के दृष्टि से अति संवेदनशील क्षेत्र है। यहां एक साल में कई बार भूकंप के झटके महसूस किए गए जाते हैं। 25 अगस्त सन 2020 को भी उत्तरकाशी में भूकंप आया था। उस समय भूकंप का केंद्र टिहरी गढ़वाल था। रिक्टर पैमाने पर उसकी तीव्रता 3.4 मापी गई थी। इससे पहले को चमोली और रुद्रप्रयाग जिलों में 21 अप्रैल सन 2020 को भूकंप के झटके महसूस हुए थे। जिसका केंद्र चमोली जिले में था, रिक्टर पैमाने पर उस भूकंप की तीव्रता 3.3 थी। भूकंप के इन झटको ने लोगो के मन में बेचैनी बढ़ा दी है।देवभूमि उत्तराखंड से लेकर गुजरात तक भूकंप का खतरा लगातार बना हुआ है। 14 जून सन 2020 की शाम गुजरात के भचाऊ,राजकोट, अहमदाबाद में 5.5 तीव्रता के भूकंप ने सबकी नींद उड़ा दी थी।सन 2015 में नेपाल केन्द्रित भंयकर भूकम्प के कारण नेपाल और उत्तर भारत में ढाई हजार से अधिक मौते भूकंप से हो गई थी और अरबो रुपए की सम्पत्ति नष्ट हो गई थी।सबसे अधिक क्षति नेपाल और नेपाल से सटे बिहार में हुई थी। उस समय सात दशमलव नौ रियेक्टर पैमाने के अधिक तीव्रता के भूकम्प से जो कि हिरोशिमा बम विस्फोट से पांच सौ चार गुना ताकतवर था,से उत्तराखण्ड में भी दहशत फैल गई थी। हिरोशिमा बम विस्फोट से साढे बारह किलोटन आफ टीएनटी एनर्जी रिलीज हुई थी जबकि इस भंयकर भूकम्प से उनास्सी लाख टन आफ टीएनटी एनर्जी रिलीज हुई है जिससे नेपाल और विहार,उत्तर प्रदेश के साथ साथ कई राज्यों में भारी नुकसान हुआ था। उत्तराखण्ड में भी उस समय कई जगह भूकम्प के झटके महसूस किये गए थे। लेकिन उत्तराखंड में भूकम्प से अधिक नुकसान नही हुआ था,लेकिन इससे पूर्व उत्तराखंड भूकंप की भयंकर त्रासदी झेल चुका है। उत्तरकाशी, पिथौरागढ़,अल्मोड़ा, द्वारहाट, चमोली जिले भूकंप के निशाने पर है।दरअसल उत्तराखण्ड भूकम्प के मुहाने पर खड़ा है, यहां कभी भी भूकंप से धरती डोल सकती है।जिससे उत्तराखण्ड कभी भी तबाह हो सकता है। अपनी भोगोलिक परिस्थिति के कारण बादल फटने,जल प्रलय,भूस्खलन के कारण हजारो मौतो के साथ ही मकानों तथा खेत खलियानों के नष्ट होने का कारण बनता रहा है। भू वैज्ञानिको की माने तो उत्तराखण्ड कभी भी भूकम्प आपदा से प्रभावित हो सकता है। भूकम्प की दृष्टि से अत्यन्त संवेदनशील उत्तराखण्ड सच पुछिए तो मौत के मुहाने पर खडा है। उत्तरकाशी में आए भूकम्प और धारचूला व लोहाधाट जैसी जगहों पर कई बार आ चुके भूकम्प की त्रासदी झेल चुके उत्तराखण्ड न सिर्फ अपने लिए,बल्कि पडोसी राज्यों के लिए भी तबाही का सबब बन सकता है। भूकम्प का सबसे बडा खतरा टिहरी बांध से है ,अगर कभी इतनी तीव्रता का भूकम्प आया जो टिहरी बांध के लिए खतरा बन गया तो न उत्तराखण्ड बचेगा और न ही उ0प्र0 और दिल्ली बच पाएगी। वैज्ञानिक मानते है कि उत्तराखण्ड भारत में भूकम्प आपदा के मामले में सबसे ज्यादा सबसे अधिक खतरे में है। उत्तराखण्ड में हर 11 साल के अन्तराल पर एक बडा भूकम्प आता है। इस अन्तराल के हिसाब से उत्तराखण्ड में बडा भूकम्प आना सम्भावित है। जिसका संकेत हाल का भूकंप हो सकता है।भूकम्प वैज्ञानिक डा दयाशंकर के मुताबिक 40 से लेकर 60 ऐसे पैरामीटर है जिनके अध्ययन के आधार पर भूकम्प की भविष्यवाणी सम्भव बताई गई है।

(नोटः इस लेख में ये दिए गए विचार लेखक के अपने विचार हैं)

कुआँ सूखने पर ही पता चलता है पानी की कीमत

कहावत जब तक कुआँ सूख नहीं जाता, हमें पानी की कीमत का पता नहीं चलता हमें इस बात की याद दिलाती है कि हमें अपने जीवन और संसाधनों के प्रति जागरूक और कृतज्ञ रहना चाहिए। चाहे वह जल हो, प्रेम हो, स्वतंत्रता हो या स्वास्थ्य, हमें इनका सम्मान और संरक्षण करना चाहिए ताकि आने वाली पीढ़ियों के लिए वे उपलब्ध रह सकें। मनुष्य अक्सर किसी चीज का वास्तविक मूल्य तब तक नहीं समझता जब तक वह खत्म नहीं हो जाती। एक गाँव के सूखते झरने की कहानी के माध्यम से यह विचार प्रस्तुत किया गया है कि कैसे प्रचुरता हमें आत्मसंतुष्ट बना देती है और कमी हमें जागरूक करती है।

एक सुदूर घाटी में बसे गांव में एक झरना था जिसे जीवन धारा कहा जाता था। पीढ़ियों तक ग्रामीणों ने इसका उपयोग किया, लेकिन जब आधुनिक सुविधाएं आईं, तो यह उपेक्षित हो गया। एक साल, भीषण सूखे ने झरने को सुखा दिया, और तभी ग्रामीणों को इसकी कीमत का एहसास हुआ। यह कहानी दशार्ती है कि हम अक्सर किसी चीज के महत्व को तब तक नहीं समझते जब तक वह खत्म नहीं हो जाती। पानी जीवन की मूलभूत आवश्यकताओं जैसे स्वास्थ्य, संबंध और स्वतंत्रता का प्रतीक है। हम अक्सर मान लेते हैं कि ये हमेशा बने रहेंगे, परंतु जब यह संकट में होते हैं, तभी हम उनकी कीमत समझते हैं। जीवन की क्षणभंगुरता हमें वर्तमान का आदर करने के लिए प्रेरित करती है। जैसे नल से पानी की सतत आपूर्ति को हम सामान्य मानते हैं, वैसे ही हम अपनों, स्वास्थ्य और स्वतंत्रता को भी हल्के में लेते हैं। जब संसाधन प्रचुर मात्रा में होते हैं, तो हम उनकी कद्र करना छोड़ देते हैं। अरस्तू के नैतिक दर्शन के अनुसार, जागरूकता और संतुलन ही सच्चे गुणों को जन्म देते हैं। भरे कुएं का पानी हमें कृतज्ञ नहीं बनाता, परंतु पानी की कमी हमें उसकी महत्ता सिखाती है। 1930 के दशक की महामंदी ने लोगों को यह समझाया कि संसाधनों की उपलब्धता और कमी का चक्र कैसा होता है। ग्रीक त्रासदियों में अक्सर चरित्रों को जीवन का सच्चा अर्थ तब पता चलता है जब वे सब कुछ खो चुके होते हैं। शेक्सपियर के किंग लियर को प्यार की वास्तविकता तब समझ आई जब वह धोखा खा चुका था। महामारी ने भी हमें सामाजिक मेलजोल की अहमियत सिखाई। मानवता बार-बार संसाधनों का दुरुपयोग करती है और फिर संकट के समय उन्हें बचाने का प्रयास करती है। नीत्शे की शाश्वत पुनरावृत्ति की अवधारणा बताती है कि जब तक हम सच में नहीं सीखते, हम वही गलतियाँ दोहराते हैं। 1930 के डस्ट बाउल संकट ने कृषि को नुकसान पहुँचाया, जिससे सबक लेकर सुधार हुए, लेकिन समय के साथ लोग फिर लापरवाह हो गए। उपयोगितावादी दर्शन कहता है कि किसी चीज का मूल्य उसकी उपयोगिता से निर्धारित होता है। जल की वास्तविक कीमत उसकी उपलब्धता के अनुसार बदलती है। उप-सहारा अफ्रीका में पानी की कमी ने जल संरक्षण के नए समाधान उत्पन्न किए। इसी तरह, जब कोई संसाधन दुर्लभ हो जाता है, तब उसका महत्व और अधिक बढ़ जाता है। जल संकट सिर्फ मानव जीवन ही नहीं, बल्कि पूरे पारिस्थितिकी तंत्र को प्रभावित करता है। पारिस्थितिक दर्शन बताता है कि हमें प्रकृति के प्रति जागरूक होना चाहिए। अरल सागर का सूखना इसका उदाहरण है, जिससे सामाजिक और आर्थिक संकट पैदा हुए। यदि हम संसाधनों को संरक्षित नहीं करते, तो हमारा अस्तित्व भी खतरे में पड़ सकता है। धार्मिक और दार्शनिक परंपराएँ बताती हैं कि वंचना मूल्य की गहरी समझ देती है। रमजान के उपवास लोगों को भोजन की कीमत और जरूरतमंदों की स्थिति का एहसास कराते हैं। इसी तरह, कठिनाइयाँ हमें जीवन की असली जरूरतों का महत्व सिखाती हैं। मानव अस्तित्व प्रकृति पर निर्भर है, और जल संकट इस निर्भरता को दशार्ता है। फुकुशिमा परमाणु आपदा ने भी दिखाया कि तकनीकी विकास के बावजूद हम प्राकृतिक शक्तियों के आगे असहाय हैं। यह हमें हमारे संसाधनों की सीमाओं का सम्मान करना सिखाता है। पानी जीवन देता है, परंतु बाढ़ और सुनामी जैसी आपदाओं से विनाश भी ला सकता है। ताओवाद के अनुसार, जीवन विरोधाभासों से भरा है, और हमें संतुलन बनाए रखना सीखना चाहिए। विभिन्न संस्कृतियों में जल को शुद्धिकरण का प्रतीक माना जाता है। ईसाई धर्म में बपतिस्मा का जल आत्मा की पुनर्जन्म का संकेत देता है। कुँए का सूखना हमें चेतावनी देता है कि हमें अपने संसाधनों की रक्षा करनी चाहिए। महात्मा गांधी ने कहा था, पृथ्वी हर व्यक्ति की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए पर्याप्त प्रदान करती है, लेकिन हर व्यक्ति के लालच को पूरा नहीं कर सकती। भारत में चिपको आंदोलन इस बात का उदाहरण है कि समुदाय मिलकर प्राकृतिक संसाधनों की रक्षा कर सकता है। कहावत जब तक कुआँ सूख नहीं जाता, हमें पानी की कीमत का पता नहीं चलता एक गहरी सच्चाई को उजागर करती है। हमें संसाधनों के खत्म होने से पहले उनके महत्व को समझना चाहिए। जल, प्रेम, स्वास्थ्य या स्वतंत्रता–इन सभी को खोने से पहले संजोना चाहिए ताकि भविष्य की पीढ़ियों के लिए उनका संरक्षण हो सके। पानी सिर्फ एक भौतिक संसाधन नहीं है, बल्कि यह जीवन की अनिवार्य आवश्यकताओं–स्वास्थ्य, रिश्ते और स्वतंत्रता–का प्रतीक भी है। जब ये आसानी से उपलब्ध होते हैं, तो हम उन्हें हल्के में लेते हैं, लेकिन जब वे खतरे में होते हैं या खो जाते हैं, तब हमें उनका महत्व समझ आता है।

–डॉ. सत्यवान सौरभ
लेखक
ग्लोबल हेराल्ड

(नोटः इस लेख में ये दिए गए विचार लेखक के अपने विचार हैं)

हनुमान से सीखें संस्कार

दूसरे का मान रखते हुए हम सम्मान अर्जित कर लें, इसमें गहरी समझ की जरूरत है। होता यह है कि जब हम अपनी सफलता, सम्मान या प्रतिष्ठा की यात्रा पर होते हैं, उस समय हम इसके बीच में आने वाले हर व्यक्ति को अपना शत्रु ही मानते हैं। महत्वाकांक्षा पूरी करने के लिए मनुष्य सारे संबंध दांव पर लगा देता है। आज के युग में महत्वाकांक्षी व्यक्ति का न कोई मित्र होता है, न कोई शत्रु। उसे तो सिर्फ अपनी महत्वाकांक्षा की पूर्ति करनी होती है।

हर संबंध उसके लिए शस्त्र की तरह हैं। लेकिन कुछ लोग ऐसे होते हैं, जो दूसरे की भावनाओं, रिश्ते की गरिमा और सबके मान-सम्मान को ध्यान में रखकर अपनी यात्रा पर चलते हैं। हनुमानजी उनमें से एक हैं। सुंदरकांड में एक प्रसंग है। हनुमानजी और मेघनाद का युद्ध हो रहा था। मेघनाद बार-बार हनुमानजी पर प्रहार कर रहा था, लेकिन उसका नियंत्रण बन नहीं रहा था। तब उसने हनुमानजी पर ब्रह्मास्त्र का प्रहार किया। हनुमानजी को भी वरदान था कि वह किसी अस्त्र-शस्त्र से पराजित नहीं होंगे। उनका नाम बजरंगी इसीलिए है कि वे वज्रांग हैं। जिसे कह सकते हैं स्टील बॉडी।

जैसे ही शस्त्र चला, हनुमानजी ने विचार किया और तुलसीदासजी ने लिखा –
ब्रह्मास्त्र तेहि सांधा कपि मन कीन्ह बिचार।
जौं न ब्रह्मसर मानउं महिमा मिटइ अपार।।

अंत में उसने ब्रह्मास्त्र का प्रयोग किया, तब हनुमानजी ने मन में विचार किया कि यदि ब्रह्मास्त्र को नहीं मानता हूं तो उसकी अपार महिमा मिट जाएगी। यहां हनुमानजी ने अपने पराक्रम का ध्यान न रखते हुए, ब्रह्मजी के मान को टिकाया। दूसरों का सम्मान बचाते हुए अपना कार्य करना कोई हनुमानजी से सीखें।

ग्लोबल हेराल्ड में प्रकाशित होने वाले लेख लेखकों के निजी विचार है

व्यापार

शेयर बाजार गिरावट पर बंद

मुंबई ■

भारतीय शेयर बाजार शुक्रवार को गिरावट पर बंद हुआ। सप्ताह के अंतिम कारोबारी दिन बाजार में ये गिरावट दुनिया भर के बाजारों से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही बिकवाली हावी रहने से आई है। आज कारोबार के दिन दिन-भर उतार-चढ़ाव बना रहा। अंत में 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 191.51 अंक करीब 0.25 फीसदी नीचे आकर 77,414.92 अंकों पर बंद हुआ।

वहीं 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 72.60 अंक तकरीबन 0.31फीसदी टूटकर 23,519.35 अंकों पर बंद हुआ। आज कारोबार के दौरान सेंसेक्स 77,766.70 अंकों के उच्च स्तर से लेकर 77,185.62 अंकों के निचले स्तर तक पहुंचा। वहीं दूसरी ओर निफ्टी भी 23,649.20 अंकों के उच्च स्तर से लेकर 23,451.30 अंकों के निचले स्तर तक पहुंचा। आज कारोबार के दौरान सेंसेक्स की 30 में से सिर्फ 10 कंपनियों के शेयर ही बढ़त पर बंद हुए और शेष सभी 20 कंपनियों के शेयर नुकसान के साथ बंद हुए। दूसरी ओर निफ्टी की 50 कंपनियों में से 19 कंपनियों के शेयर बढ़त के साथ बंद हुए और बाकी की 31 कंपनियों के शेयर नुकसान के साथ बंद हुए। सेंसेक्स की कंपनियों में शामिल कोटक महिंद्रा बैंक के शेयर सबसे ज्यादा 1.78 फीसदी बढ़त के साथ बंद हुए जबकि इंडसइंड बैंक के शेयर सबसे ज्यादा 3.50 फीसदी नीचे आये। सप्ताह के अंतिम दिन सेंसेक्स की बाकी कंपनियों में हिंदुस्तान यूनिलीवर के शेयर 0.95 फीसदी, भारती एयरटेल 0.79 फीसदी, नेस्ले इंडिया 0.75 फीसदी, आईसीआईसीआई बैंक 0.73 फीसदी, टाटा मोटर्स 0.66 फीसदी, आईटीसी 0.20 फीसदी, एचडीएफसी बैंक 0.08 फीसदी, एक्सिस बैंक 0.08 फीसदी और सनफार्मा के शेयर 0.06 फीसदी की बढ़त के साथ बंद हुए। दूसरी ओर, महिंद्रा एंड महिंद्रा के शेयर आज 2.58 फीसदी, जोमैटो 2.21 फीसदी, एचसीएल टेक 2.20 फीसदी, इंफोसिस 2.12 फीसदी, मारुति सुजुकी 2.10 फीसदी, पावरग्रिड 1.56 फीसदी, अडाणी पोर्ट्स 1.50 फीसदी, टीसीएस 1.28 फीसदी, अल्ट्राटेक सीमेंट 0.90 फीसदी और टाटा स्टील के शेयर 0.84 फीसदी की गिरावट के साथ बंद हुए।

ऐटो एम8 ईआरईवी के प्री-सेल आंकड़े जारी किए

नई दिल्ली ■

अपनी नई इलेक्ट्रिक एसयूवी ऐटो एम8 ईआरईवी के प्री-सेल आंकड़े ऑटोमोबाइल कंपनी ऐटो ने जारी किए हैं। गत दिनों 6 मार्च को बुकिंग शुरू होने के बाद से इसकी अब तक 70,000 से अधिक यूनिट्स बुक की जा चुकी हैं।

प्री-सेल की शुरूआत के पहले घंटे में ही 7,500 यूनिट्स की बुकिंग हो गई थी, जबकि छह घंटे के भीतर यह आंकड़ा 21,000 यूनिट्स तक पहुंच गया। 12 घंटे में 28,000 यूनिट्स बुक हो चुकी थीं। ग्राहकों को आकर्षित करने के लिए कंपनी ने विशेष ऑफर दिया है, जिसके तहत 5,000 युआन (करीब 690 डॉलर) की टोकन राशि का भुगतान करने वाले ग्राहकों को खरीद मूल्य में 10,000 युआन (1,400 डॉलर) की छूट दी जा रही है। ऐटो एम8 ईआरईवी को एक मीडियम-टू-लार्ज एसयूवी के रूप में पोजिशन किया गया है, जिसका साइज 5190एमएम गुणा 1999एमएम गुणा 1795एमएम और व्हीलबेस 3105एमएम है। इसका पावरट्रेन 1.5ळ इंजन के साथ आता है, जो रेंज-एक्सटेंडर के रूप में काम करता है। इसमें फ्रंट और रियर इलेक्ट्रिक मोटर के साथ संयुक्त रूप से 530 ँस्र की पावर जनरेट होती है। इसकी टॉप स्पीड 200 किमी/घंटा है और फुल चार्ज व फुल टैंक पर यह 1,526 किमी की कुल रेंज देती है।

सोना 89 हजार के करीब, चांदी की कीमत 1 लाख के पार

नई दिल्ली। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प द्वारा शुल्क लगाने से वैश्विक बाजार में सोना सार्वजनिक उच्च स्तर पर पहुंच गया है। घरेलू बाजार में भी सोने-चांदी के वायदा कारोबार की शुरूआत में शुक्रवार को तेजी देखने को मिल रही है। दोनों के भाव तेजी के साथ खुले। सोने के वायदा भाव 88,750 रुपये के करीब कारोबार कर रहे थे, जबकि चांदी के भाव 1,01,500 रुपये के करीब कारोबार कर रहे थे। अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोने-चांदी के वायदा भाव में तेजी देखी जा रही है। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने का बेंचमार्क अप्रैल कॉन्ट्रेक्ट 289 रुपये की तेजी के साथ 88,673 रुपये के भाव पर खुला। पिछला बंद भाव 88,384 रुपये था। इस समय यह 371 रुपये की तेजी के साथ 88,755 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। चांदी के वायदा भाव की शुरूआत तेज रही।

मारुति की नई 7-सीटर कारें लॉन्च करने की तैयारी

नई दिल्ली ■

मारूति सुजुकी कंपनी एसयूवी और एमपीवी सेगमेंट में अपनी पकड़ मजबूत करने के लिए नई 7-सीटर कारें लॉन्च करने की तैयारी कर रही है। इनमें से कुछ मॉडल्स की टेस्टिंग भी देखी गई है।

मारूति ग्रांछ वितारा को भारत में शानदार रिस्पॉन्स मिला है। अब कंपनी इसका 7-सीटर वर्जन लाने की तैयारी कर रही है, जिसे 2025 के दूसरे हिस्से में लॉन्च किया जा सकता है। इसमें 1.5-लीटर एनए पेट्रोल इंजन और 1.5-लीटर स्ट्रॉन्ग हाइब्रिड इंजन के विकल्प मिलेंगे। स्पाई इमेज के मुताबिक, इसमें बड़ा टचस्क्रीन, पैनोरमिक सनरूफ और 360-डिग्री कैमरा जैसे प्रीमियम फीचर्स हो सकते हैं। इसका मुकाबला महिंद्रा एक्सयूवी 700 से होगा। मारूति एक प्रीमियम एमपीवी पर भी काम कर रही है, जिसका कोडनेम वायएमसी है। यह टोयोटा के एक मॉडल के साथ प्लेटफॉर्म और पावरट्रेन साझा करेगी। इसमें 40 केडब्ल्यूएच और 60केडब्ल्यूएच बैटरी ऑप्शन मिल सकते हैं, जिनमें बड़ी बैटरी के साथ करीब 500किमी की रेंज मिलेगी। इस प्रीमियम एमपीवी को 2026 के मध्य में लॉन्च किया जा सकता है, और यह किआ केरेन्स को टक्कर देगी। इसके अलावा, मारुति एक किफायती 7-सीटर एमपीवी वायडीबी पर भी काम कर रही है, जो ईर्टिगा और एक्सएल6 से नीचे होगी। यह जापान में बेची जाने वाली सुजुकी स्पेशिया पर आधारित होगी।

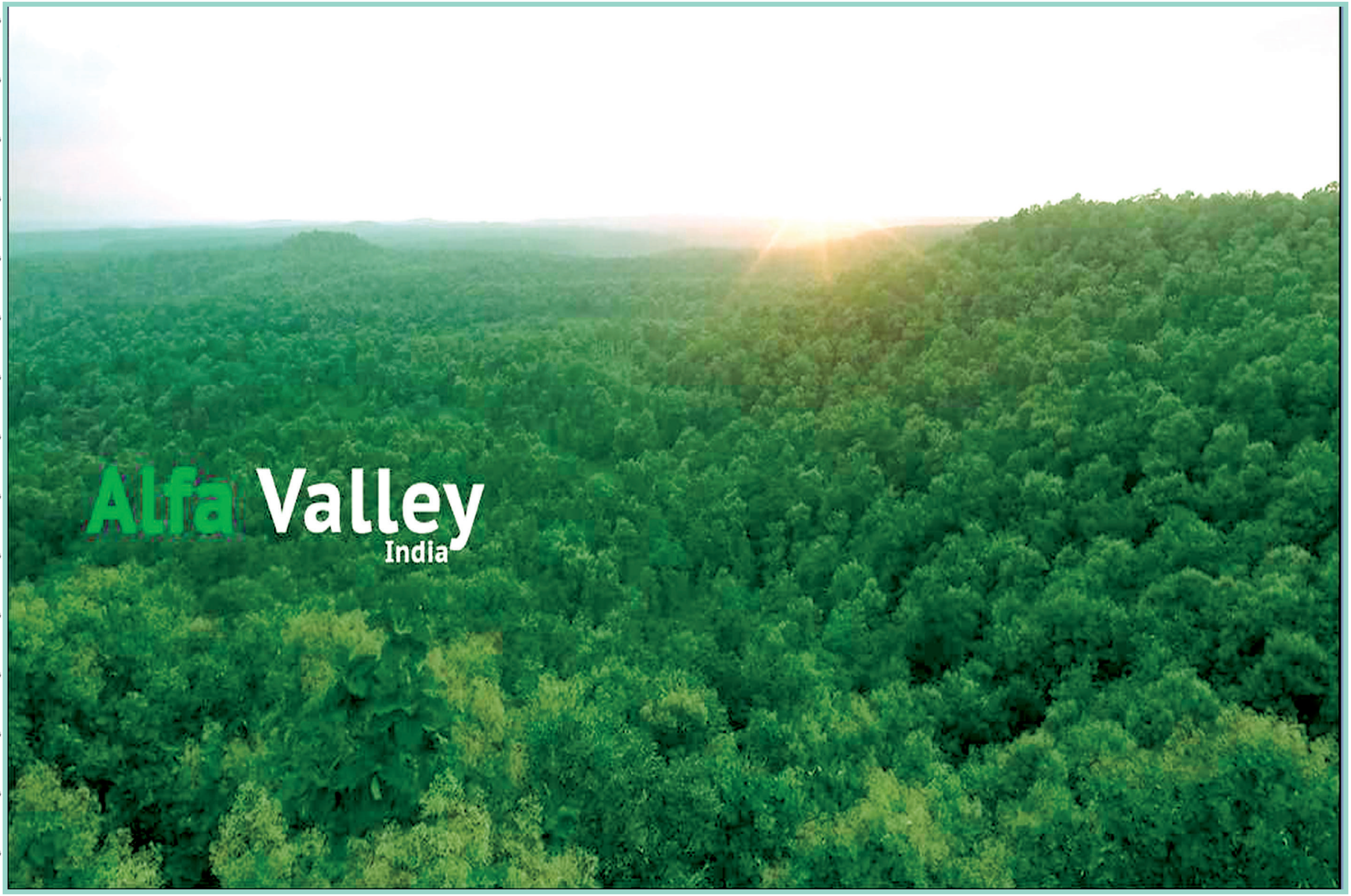

Alfa Valley
India

श्रेयस-ईशान को मिल सकता है बीसीसीआई का सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट, 29 मार्च को गुवाहाटी में बैठक

नई दिल्ली ■

श्रेयस अय्यर और ईशान किशन की बीसीसीआई के सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट में वापसी हो सकती है। पिछले साल दोनों को बीसीसीआई के सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट 2023-24 से बाहर किया गया था। अय्यर चैंपियंस ट्रॉफी में शानदार प्रदर्शन कर सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट में एंट्री पर अपनी मुहर लगा चुके हैं। वहीं, ईशान ने आईपीएल के अपने पहले मैच में 106 रन की पारी खेलकर वापसी के लिए अपनी मजबूत दावेदारी पेश की है।

29 मार्च को बीसीसीआई के सचिव देवजीत सैकिया, टीम के चयनकर्ता अजित अगरकर और कोच गौतम गंभीर गुवाहाटी में इस पर चर्चा कर सकते हैं। भारतीय टीम से जुड़े एक सूत्र ने टाइम्स ऑफ इंडिया से कहा कि अय्यर फिर से कॉन्ट्रैक्ट हासिल करने वाले हैं और वह भी टॉप कैटेगरी में। वहीं, ईशान किशन के लिए अभी स्थिति स्पष्ट नहीं है और अनुबंध में उनकी वापसी पर कोई पक्का निर्णय नहीं लिया गया है।

अय्यर ने चैंपियंस ट्रॉफी में करीब 49 की औसत से बनाए रन

अय्यर चैंपियंस ट्रॉफी 2025 के 5 पारियों में 79.41 के स्ट्राइक रेट से 243 रन बनाए थे। इस दौरान उन्होंने दो अर्धशतक भी लगाए थे। उन्होंने फाइनल में 62 गेंदों पर 48 रन की पारी खेली थी। वे टूर्नामेंट के दूसरे टॉप स्कोरर रहे थे।

रोहित, विराट- जडेजा ग्रेड ए+ में बरकरार

वनडे और टेस्ट टीम के कप्तान रोहित शर्मा, विराट कोहली और रविंद्र जडेजा ए+ में बरकरार रहेंगे। ये तीनों पिछले साल टी-20 वर्ल्ड कप के बाद टी-20 फॉर्मेट से संन्यास ले चुके हैं। वहीं, जसप्रीत बुमराह भी ए+ ग्रेड में बने रहेंगे।

अभिषेक, नीतीश और वरुण पहली बार बीसीसीआई कॉन्ट्रैक्ट में हो सकते हैं शामिल

अभिषेक शर्मा, नीतीश रेड्डी और और वरुण चक्रवर्ती पहली बार बीसीसीआई के सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट में शामिल हो सकते हैं। वरुण ने चैंपियंस ट्रॉफी 2025 में 9 विकेट लिए थे। नीतीश ने बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी में अपने प्रदर्शन से प्रभावित किया था। वहीं, अभिषेक शर्मा ने 2024-25 के खेले 12 टी-20 इंटरनेशनल में 200.48 की स्ट्राइक से 411 रन बनाए है।

दक्षिण भारत के दो शहर करेंगे जू. पुरुष हॉकी विश्व कप की मेजबानी

नवंबर-दिसंबर में होगा आयोजन

नई दिल्ली ■

एफआईएच जूनियर पुरुष हॉकी विश्व कप की मेजबानी तमिलनाडु की राजधानी चेन्नई और मदुरै करेंगे। हॉकी इंडिया ने शुक्रवार को बताया कि इस टूर्नामेंट का आयोजन 28 नवंबर से 10 दिसंबर तक होगा। पहली बार खिताब के लिए इस टूर्नामेंट में 24 टीमें हिस्सा लेंगी।

यह तीसरी बार होगा जब भारत जूनियर पुरुष हॉकी विश्व कप की मेजबानी करेगा। इससे पहले, 2016 में लखनऊ और 2021 में भुवनेश्वर ने इस टूर्नामेंट की मेजबानी की थी। हॉकी इंडिया के अध्यक्ष दिलीप टिर्की ने कहा, हॉकी इंडिया के लिए आगामी एफआईएच जूनियर पुरुष हॉकी विश्व कप की मेजबानी करना गर्व की बात है। इस बार टूर्नामेंट में 24 टीमें भाग ले रही हैं लिहाजा इसका आयोजन दो शहरों चेन्नई और मदुरै में किया जा रहा है। चेन्नई में 2023 में एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी खेली गई थी, जबकि मदुरै में पहली बार इस स्तर का अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट हो रहा है। हमें खुशी है कि देश के विभिन्न इलाकों में हॉकी टूर्नामेंटों का आयोजन हो रहा है।

मनोरंजन

चंदेरी की महिला कारीगरों के साथ समय बिताएंगी अभिनेत्री कृतिका कामरा

बॉलीवुड अभिनेत्री कृतिका कामरा मप्र के चंदेरी की महिला कारीगरों के साथ समय बिताएंगी। कृतिका का मानना है कि एक कलाकार के रूप में उन्हें अपनी पहचान और प्रभाव का उपयोग समाज में सकारात्मक बदलाव लाने के लिए करना चाहिए। कृतिका का मध्य प्रदेश से गहरा जुड़ाव है, उन्होंने बचपन में चंदेरी की समृद्ध कारीगरी और वहां के हस्तशिल्प को करीब से देखा है। इसी वजह से उन्होंने इस क्षेत्र की महिलाओं को समर्थन देने और उनके कौशल को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाने का संकल्प लिया है। उनका कहना है, जब हमने यह पहल शुरू की थी, तब हमारा सबसे बड़ा लक्ष्य था कि राज्य की महिलाओं, विशेष रूप से चंदेरी की महिला कारीगरों को रोजगार के अवसर दिए जाएं और उनके पारंपरिक हुनर को एक नई पहचान मिले। चंदेरी की हथकरघा कारीगरी अपनी बारीकी और पारंपरिक डिजाइन के लिए जानी जाती है, लेकिन यहां के कलाकारों को उनके काम की उचित कीमत नहीं मिल पाती। कृतिका की इस पहल का उद्देश्य इन कारीगरों को उचित पारिश्रमिक दिलाने और उनके उत्पादों को बड़े बाजार तक पहुंचाने का है।

फिल्म जटाधारा की शूटिंग में व्यस्त है सोनाक्षी

हाल ही में अभिनेत्री सोनाक्षी सिन्हा अपनी अगली फिल्म जटाधारा की शूटिंग में व्यस्त हैं। इस फिल्म से वह तेलुगु सिनेमा में डेब्यू करने जा रही हैं। उनके पहले लुक वाले पोस्टर में उन्हें पारंपरिक आभूषणों के साथ दिखाया गया है। सोनाक्षी का बोल्ड लुक गहरे काजल, लाल बिंदी और माथे पर तिलक से और भी प्रभावशाली नजर आया। पोस्टर पर लिखी शक्ति और शक्ति की शक्ति टैगलाइन ने फिल्म के रहस्यमयी और पावरफुल प्लॉट को लेकर दर्शकों की उत्सुकता बढ़ा दी है। इस फिल्म में सोनाक्षी के साथ सुधीर बाबू, शिल्पा शिरोडकर, रेन अंजलि और दिव्या विज मुख्य भूमिकाओं में नजर आएंगे। इस फिल्म का निर्देशन वेंकट कल्याण कर रहे हैं। सोनाक्षी अपने पति जहीर इकबाल के साथ तू है मेरी किरण में भी रोमांस करती नजर आएंगी। यह फिल्म 2022 में आई डबल एक्सएक्सएल के बाद उनकी दूसरी ऑन-स्क्रीन जोड़ी होगी। फिल्म का निर्देशन करण रावल और संजना मल्होत्रा कर रहे हैं। इसके अलावा, सोनाक्षी की आने वाली फिल्मों में निकिता रॉय एंड द बुक ऑफ डार्कनेस भी शामिल है, जो एक मिस्ट्री-थ्रिलर होगी। बता दें कि हाल में सोनाक्षी ने अपने पति जहीर इकबाल के लिए एक प्यार भरा सोशल मीडिया पोस्ट साझा किया, जिसमें दोनों की खूबसूरत तस्वीरें देखने को मिलीं। सोनाक्षी ने इन तस्वीरों में सफेद रंग की स्पेगेटी टॉप पहनी थी, जबकि जहीर ब्लैक शर्ट और मैचिंग टी-शर्ट में नजर आए। सोनाक्षी ने अपने पोस्ट में लिखा, हंसी के बिना बर्बाद हुआ एक दिन है! यह कहना सुरक्षित है कि मैंने इस आदमी से मिलने के बाद से एक भी दिन बर्बाद नहीं किया है... आखिरी तस्वीर सब कुछ बयां कर देती है.

जल्द हो सकता है 'गजनी 2' का ऐलान, आमिर और मुरुगादॉस में बातचीत जारी

बॉलीवुड के प्रसिद्ध गायक और संगीतकार गुरु रंधावा ने अपने आगामी स्टूडियो एल्बम विदआउट प्रिजुडिस को रिलीज़ करने की तैयारी कर रहे हैं, जिसमें कुल नौ ट्रैक होंगे। उन्होंने वॉर्नर म्यूजिक इंडिया के साथ आधिकारिक साझेदारी की घोषणा की है, जो उनके करियर में एक नया और रोमांचक अध्याय जोड़ने जा रही है। एल्बम में अफ्रोपॉप और भारतीय पॉप का बेहतरीन मिश्रण देखने को मिलेगा, जो संगीत प्रेमियों के लिए एक अनोखा अनुभव लेकर आएगा। इस एल्बम के प्रमुख गानों में स्नैपबैक, सिरा, न्यू एज, कताल, फ्रॉम एजेस, जानेमन, किथे वासदे ने, सरे कनेक्शन और गल्ल बातें शामिल हैं। खास बात यह है कि गुरु रंधावा ने इस एल्बम में ज़हर वाइब, एनएसईबी, बॉब.बी रंधावा, किरण बाजवा और प्रेम लता जैसे कलाकारों के साथ कोलेबोरेशन किया है, जिससे इसका दायरा और भी व्यापक हो गया है। एल्बम का पहला सिंगल गल्ल बातें 28 मार्च 2025 को रिलीज़ किया जाएगा, जिसका म्यूजिक वीडियो भी उसी दिन दर्शकों के लिए पेश किया जाएगा। गुरु रंधावा ने इस नए एल्बम को लेकर कहा, यह एल्बम केवल मेरा नहीं, बल्कि उस संगीत का भी विकास है, जिसे मैं बनाना चाहता हूं। विदआउट प्रिजुडिस सीमाओं को तोड़ने और वैश्विक स्तर पर नए श्रोताओं तक पहुंचने का एक प्रयास है। वहीं, वॉर्नर म्यूजिक इंडिया और सार्क के प्रबंध निदेशक जय मेहता ने भी गुरु रंधावा के साथ इस साझेदारी को लेकर खुशी जाहिर की। उन्होंने कहा, गुरु रंधावा ने पंजाबी संगीत को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाने में अहम भूमिका निभाई है। हम उनके ब्रांड को और भी मजबूत बनाने में मदद करेंगे और उनके संगीत को वैश्विक स्तर पर पहुंचाने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध हैं।

आज होगा गुजरात टाइटंस और मुम्बई इंडियंस का मुकाबला

अहमदाबाद ■

आईपीएल के 18 वें सत्र में शनिवार को यहां के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में मुंबई इंडियंस का मुकाबला गुजरात टाइटंस से होगा। इस मैच में दोनो ही टीमें जीत दर्ज करने के इरादे से उतरेंगी। दोनो ही टीमों को अपने शुरुआती मैच में हार का सामना करना पड़ा था।

इस मैच में से मुंबई टीम के कप्तान हार्दिक पंड्या वापसी करेंगे। हार्दिक प्रतिबंध के कारण चेन्नई सुपरकिंग्स के खिलाफ पहला मैच नहीं खेल पाये थे। उसमें उनकी जगह पर सूर्यकुमार यादव ने कप्तान की थी। वहीं अपने घरेलू मैदान पर खेलने जा रही शुभमन गिल की कप्तानी वाली गुजरात टाइटंस को पहले मैच में पंजाब किंग्स से हार का सामना करना पड़ा था। मुंबई इंडियंस को पहले मैच के बाद एक सप्ताह का ब्रेक मिला है जिससे वह तरोताज होकर गुजरात के खिलाफ उतरेगी। इस बार तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह के रहीं होने से मुम्बई की गेंदबाजी कमजोर नजर आयी है। इस मैच से हार्दिक के होने से टीम को एक तेज गेंदबाज भी मिल जाएगा। हार्दिक अभी भारत के सबसे अच्छे ऑलराउंडर हैं और उनके होने से मुम्बई को फायदा होना तय है। ऐसे में वह इस मैच में जीत की प्रबल दावेदार है। वह गेंद और बल्ले दोनों में किसी एक से भी मैच पर बड़ा प्रभाव डालने की क्षमता रखते है। टीम को अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में मैच खेलना है जिसका विकेट बल्लेबाजों के अनुरुप माना जाता है। इस मैदान पर पिछले दोनो ही मैचों में 200 से अधिक रन बने थे।

जोकोविच ने तोड़ा फेडरर का रिकॉर्ड: मियामी ओपन के सबसे उम्रदराज सेमीफाइनलिस्ट बने

नई दिल्ली ■

सर्बिया के टेनिस खिलाड़ी नोवाक जोकोविच एटीपी मास्टर्स 1000 टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में पहुंचने वाले सबसे उम्रदराज खिलाड़ी बन गए है। उन्होंने रोजर फेडरर का 6 साल पुराना रिकॉर्ड तोड़ा। रोजर फेडरर ने 2019 में इंडियन वेल्स और मियामी ओपन के सेमीफाइनल में पहुंचकर यह रिकॉर्ड अपने नाम किया था। तब वे 37 साल और 7 महीने के थे।

शुक्रवार को जोकोविच ने 37 साल और 10 महीने की उम्र में मियामी ओपन के सेमीफाइनल में प्रवेश किया। अगर जोकोविच शनिवार को होने वाले सेमीफाइनल मैच जीतते है तो यह उनकी 100वीं प्रोफेशनल जीत होगी। चौथी सीड जोकोविच ने क्वार्टर फाइनल में अमेरिका के 14वें सीड सेबेस्टियन कोर्डा को 6-3, 7-6 से हरा दिया।

जोकोविच अभी तक 24 ग्रैंड स्लैम जीते है

नोवाक जोकोविच अब तक 24 ग्रैंड स्लैम खिताब जीत चुके हैं. उन्होंने 10 ऑस्ट्रेलियन ओपन, 3 फ्रेंच ओपन, 7 विंबलडन और 4 यूएस ओपन खिताब अपने नाम किए हैं। वह कई बार वर्ल्ड नंबर 1 रह चुके हैं और सबसे ज्यादा हफ्तों तक टॉप रैंकिंग पर रहने का रिकॉर्ड भी बना चुके हैं। विमेंस सेमीफाइनल राउंड में शुक्रवार को आर्यना सबालेंका ने इटली की जस्मिन पाओलीनी को 6-2,6-2 से हराया। अब सबालेंका शनिवार को अमेरिका की जेसिका पेगुला से फाइनल में भिड़ेंगी। पेगुला ने 19 साल की फिलीपींस की एलेक्जेंड्रा एला तीन सेटों में हराया।

शनिवार को सेमीफाइनल मुकाबले में जोकोविच का सामना बुल्गारिया के ग्रिगोर दिमित्रोव से होगा। दोनों के बीच अभी तक 13 मैच खेले गए है, जिसमें से 12 मैच जोकोविच जीते है। 1 मैच में दिमित्रोव को जीत मिली है। पिछले साल ग्रिगोर दिमित्रोव मियामी ओपन के फाइनल में पहुंचे थे, जिसमें उन्हें जैनिक सिन्नर से हार का सामान करना पड़ा था।

शार्दुल के आईपीएल में 100 विकेट पूरे

हैदराबाद। पिछले काफी समय से भारतीय टीम से बाहर चल रहे तेज गेंदबाज शार्दुल ठाकुर ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में लखनऊ सुपर जायंट्स की ओर से खेलते हुए शानदार वापसी की है। शार्दुल ने सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ मैच में 32 रन देकर चार विकेट लेकर अपनी टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई है। इससे पहले शार्दुल ने दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ के खिलाफ पहले मुकाबले में भी दो विकेट लिए हैं। इस प्रकार दो मुकाबलों में छह विकेट लेकर वह पर्पल रंग की कैप के अधिकारी बन गये हैं। इस मैच में शार्दुल ने अपने आईपीएल करियर में 100 विकेट भी पूरे किये। अपनी इस उपलब्धि पर शार्दुल ने कहा कि मुझे लगता है कि क्रिकेट में ये सब होता है। नीलामी के समय उस जब मुझे किसी भी फ्रैंचाइजी ने नहीं लिया तो मैं निराश था। सुपर जायंट्स ने अपने गेंदबाजों के फिट नहीं होने के कारण सबसे पहले मुझसे संपर्क किया था, इसलिए मैंने उसकी टीम में ही जाना तय किया। क्रिकेट में आपको ऐसी चीज़ों को झेलना पड़ता है। शार्दुल ने कहा कि मेरे लिए खेल में जीतना अहम है। मैं विकेट या रनों की जगह ये देखता हूं कि क्या प्रभाव डाल सकता हूं।

ऋषभ बोले, सभी को अपनी शैली में खेलने की आजादी दी थी

हैदराबाद। लखनऊ सुपरजायंट्स के कप्तान ऋषभ पंत आईपीएल के दूसरे ही मैच में सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ मिली जीत से बेहद उत्साहित दिखे। सुपरजायंट्स ने इस मैच में पांच विकेट से जीतकर अपना खाता खोला है। पहले मैच में उसे करीबी अंतर से दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ हार मिली थी पर इस मैच में टीम ने कोई गलती नहीं की। ऋषभ ने कहा कि वह जीत से बहुत अधिक उत्साहित और हार से बहुत ज्यादा निराश नहीं होना चाहते थे। साथ ही कहा कि सभी खिलाड़ियों को अपनी शैली के साथ खेलने की आजादी दी गयी थी जिसका उन्हें लाभ मिला। इस जीत के साथ ही लखनऊ की टीम अंक तालिका में दूसरे स्थान पर पहुंच गयी है। वहीं सनराइजर्स छठे नंबर पर खिसक गयी है।

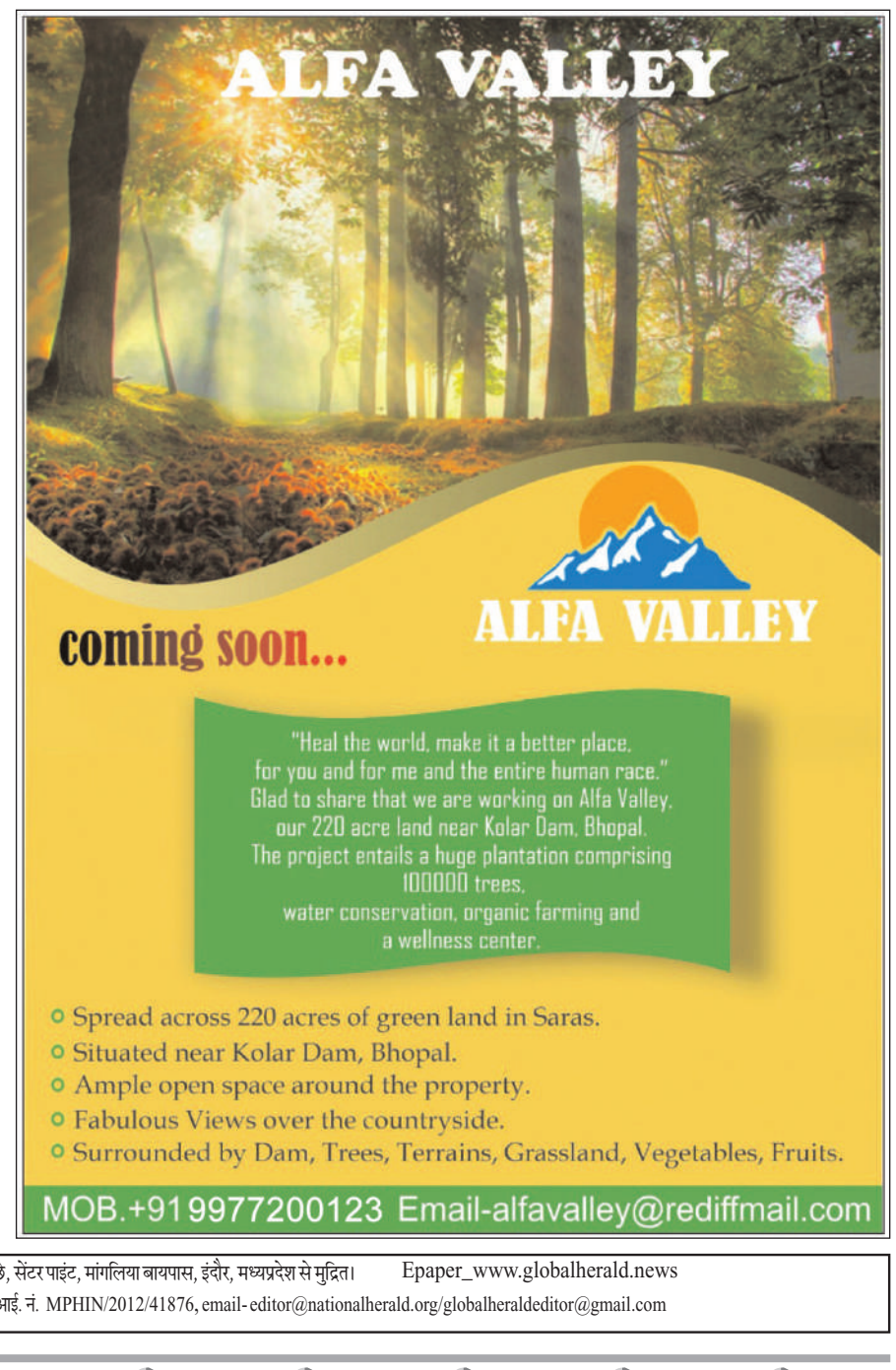

प्रकाशक एवं मुद्रक **विष्णु गोयल** द्वारा स्वामी शिवा पब्लिकेशन के लिए 1-ए, फिरोज गांधी प्रेस काम्प्लेक्स एबी रोड, इंदौर, मध्यप्रदेश से प्रकाशित एवं पी.जी. इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विस प्रा.लि. रिलायंस पेट्रोल पम्प के पीछे, सेंटर पाइंट, मांगलिया बायपास, इंदौर, मध्यप्रदेश से मुद्रित। Epaper_www.globalherald.news

प्रधान संपादक -**विष्णु गोयल**, सलाहकार संपादक- **सौरभ बैनर्जी**, प्रदेश संपादक- **दिलीप शर्मा**, स्थानीय संपादक **सत्येन्द्र जैन** *(*समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार)। मोबाइल नं.:-7999509078, आर.एन.आई. नं. MPHIN/2012/41876, email- editor@nationalherald.org/globalheraldeditor@gmail.com